mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-124 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

07 मई 2025 बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

ऋषभ के अजीब शॉट...

@ पेज 7

'देश में जाति आधारित आरक्षण ट्रेन के डिब्बे की तरह हो गया है, जो लोग इस...'

अयोध्या (एजेंसी)। देश में जाति आधारित आरक्षण ट्रेन के डिब्बे की तरह हो गया है, जो लोग इस डिब्बे में चढ़ते हैं, वे दूसरों को अंदर नहीं आने देना चाहते हैं। ये बात सुप्रीम कोर्ट के एक जज सूर्यकांत ने कही है। जस्टिस सूर्यकांत ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों

● सुप्रीम कोर्ट के जज सूर्यकांत की बड़ी टिप्पणी

में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण से संबंधित एक मामले की सुनवाई करते हुए ये टिप्पणियां की है।

महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव का मुद्दा: महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव आखिरी बार 2016-2017 में हुए थे। अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के लिए कोटा को लेकर कानूनी लड़ाई में पदों पर नियुक्ति में देरी का

मुख्य कारण है। 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत कोटा लागू करने के महाराष्ट्र सरकार के अध्यादेश को रद्द कर दिया था।

तीन स्तरीय परीक्षण निर्धारित किए कोर्ट ने: कोर्ट ने तीन-स्तरीय परीक्षण निर्धारित किए हैं। इसमें पहला राज्य के स्थानीय निकायों में पिछड़ेपन की प्रकृति और निहितार्थों की समसामयिक कठोर अनुभवजन्य जांच करने के लिए एक समर्पित आयोग का गठन करना है। दूसरा आयोग की सिफारिशों के आलोक में स्थानीय निकाय में प्रावधान किए जाने वाले आरक्षण के अनुपात को निर्दिष्ट करना है।

तीसरा एससी/एसटी/ओबीसी के लिए कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। तब से डेटा संग्रह और मुकदमेबाजी में देरी ने राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव कराने के प्रयासों को रोक दिया है।

याचिकाकर्ता के वकील ने दी ये दलील: याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील इंदिरा जयसिंह ने कोर्ट को बताया कि परिसीमन के दौरान ओबीसी की पहचान के बावजूद महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव के लिए डेटा का उपयोग नहीं कर रहा है। उन्होंने स्थानीय निकायों के लिए जल्द ही चुनाव कराने की आवश्यकता पर बल दिया और आरोप लगाया कि राज्य सरकार चुनिंदा अधिकारियों के माध्यम से स्थानीय निकायों को एकतरफा चला रही है।

इसी मामले में याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कोर्ट से कहा कि आरक्षण के उद्देश्य से ओबीसी के भीतर राजनीतिक रूप से पिछड़े और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों की पहचान की जानी चाहिए। जज सूर्यकांत ने तब कहा, देश में आरक्षण ट्रेन के डिब्बों की तरह हो गया है, जो लोग इसमें चढ़ गए हैं वे दूसरों को अंदर नहीं आने देना चाहते। यह समावेशिता का सिद्धांत है। सरकारें अधिक वर्गों की पहचान करने के लिए बाध्य हैं। राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से वंचित लोग हैं। उन्हें (आरक्षण का) लाभ क्यों नहीं मिलना चाहिए? केवल कुछ परिवारों और समूहों को ही इसका लाभ मिल रहा है। कोर्ट इस मामले की सुनवाई बाद में दिन में फिर से करेगी।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में 4 महीने बाद हुई खालिदा जिया की एंट्री

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया लंदन में 4 महीने तक इलाज कराने के बाद मंगलवार को स्वदेश लौट आईं। पार्टी नेता ने उम्मीद जताई कि उनकी वापसी से देश में लोकतंत्र की बहाली में मदद मिलेगी। जिया बेहतर चिकित्सा देखभाल के लिए 8 जनवरी को लंदन गई थीं और उन्हें 'लंदन क्लीनिक' में भर्ती कराया गया था। क्लीनिक से छुट्टी मिलने के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष अपने सबसे बड़े बेटे तारिक रहमान के घर चली गई थीं।

'ढाका ट्रिब्यून' ने बीएनपी मीडिया प्रकोष्ठ के सदस्य सैरुल कबीर खान के हवाले से बताया कि खालिदा

और उनके साथ आए लोगों को लेकर कतर की शाही एयर एंबुलेंस सुबह 10:42 बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी। उनकी दो बहुएं - तारिक रहमान की पत्नी जुबैदा रहमान और दिवंगत अराफात रहमान कोको की पत्नी सईदा शर्मिला रहमान उनके साथ थीं। विमान स्थानीय समयानुसार शाम 4:20 बजे लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे से रवाना हुआ था। खालिदा के निजी चिकित्सक प्रोफेसर एजेडएम जाहिद हुसैन के अनुसार, तारिक अपनी मां को हवाई अड्डे तक पहुंचाने गए और उन्हें विदा किया। बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकीं 79 वर्षीय खालिदा लंबे समय से लिवर सिरोसिस, किडनी रोग, हृदय रोग, मधुमेह और गठिया से पीड़ित हैं। इस बीच, बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ खालिदा की अगवानी करने के लिए हवाई अड्डे पर पहुंचे। हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए फखरुल ने उम्मीद जताई कि पार्टी अध्यक्ष खालिदा जिया की वापसी से देश में लोकतंत्र की बहाली और उन्नति में मदद मिलेगी।

सैन डिएगो बीच पर नौका पलटने से 3 लोगों की मौत

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका के सैन डिएगो शहर के पास प्रशांत महासागर में प्रवासियों की एक छोटी नौका के पलट जाने से 3 लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे में 2 भारतीय बच्चों सहित 7 अन्य लापता

हैं। हादसा तब हुआ जब कम से कम 16 लोगों को ले जा रही नौका कैलिफोर्निया के सैन डिएगो शहर से लगभग 24 किलोमीटर उत्तर में 'टॉरे पाइंस स्टेट बीच' के पास पलट गई थी। अमेरिकी तटरक्षक बल ने एक बयान में कहा, ''सैन डिएगो क्षेत्र में तटरक्षक दलों को सुबह लगभग साढ़े छह बजे एक नौका के पलटने की सूचना मिली। 3 लोगों के शव बरामद किए गए और 4 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।'' बयान में कहा गया कि बचाए गए लोगों से पूछताछ के बाद यह अनुमान है कि लगभग 7 और लोग लापता हैं। इसके बाद लापता लोगों को खोजने के लिए हेलीकॉप्टर, सैक्रामेंटो सी-27 स्पार्टन विमान तथा अन्य संसाधनों की मदद लेने का निर्देश दिया गया है। सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, ''कैलिफोर्निया में सैन डिएगो के पास 'टॉरे पाइंस स्टेट बीच' के निकट एक नौका के पलटने की घटना बेहद दुखद है।'' इसने कहा, ''इस घटना का शिकार एक भारतीय परिवार भी हुआ है। दंपति को 'स्क्रिप्स मेमोरियल अस्पताल ला जोला' में भर्ती कराया गया जिसके 2 बच्चे लापता हैं।'' वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावित भारतीय परिवार को सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है। इसने कहा, ''हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों के साथ हैं।''

25 साल की लड़की ने दिल्ली मेट्रो के सामने कूदकर सुसाइड की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। एक 25 साल की लड़की ने मेट्रो के सामने कूदकर सुसाइड कर ली है। गौतमबुद्ध नगर डीसीपी राम बदन सिंह ने बताया, %कुछ देर पहले हमें सूचना मिली कि गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन पर एक 25 वर्षीय युवती ने मेट्रो के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पंचायतनामा के लिए भेजा गया है। आगे की जांच की जा रही है। दिल्ली मेट्रो के सामने पहले भी कई बार सुसाइड के मामले सामने आए हैं। देशभर में सुसाइड के मामलों में लगातार बढ़ोतरी होती दिख रही है। फिर चाहें वो कम उम्र के बच्चे हों या एडल्ट, लोग जीवन से परेशान होकर इस तरह का कदम उठा रहे हैं। ये वाकई चिंता का विषय है।

दिल्ली में पहले भी आए हैं सुसाइड के मामले: इससे पहले दिल्ली में मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान चलाने वाले एक युवक ने ब्याज के पैसों से तंग आकर सुसाइड कर ली थी। उसने वीडियो बनाकर एक सुसाइड नोट भी छोड़ा था। पुलिस ने सुसाइड के लिए उकसाने का मामला फाइनेंसर के खिलाफ दर्ज किया था। युवक की उम्र 42 साल थी और उसका नाम ललित मोहन वार्ष्णेय था। वह कैलाश नगर का रहने वाला था। इससे पहले दिल्ली के साउथ वेस्ट जिले के डियर पार्क में एक लड़के और लड़की के शव पेड़ से लटके मिले थे। शुरुआती जांच में यह आत्महत्या का मामला लगा था।

स्पेशल स्टाफ ने पैर में मारी गोली

दिल्ली के फतेहपुर बेरी में हुई मुठभेड़ में बदमाश मनोज हथौड़ी घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के फतेहपुर बेरी इलाके में सोमवार रात दिल्ली पुलिस के स्पेशल स्टाफ के साथ हुई मुठभेड़ में एक बदमाश को गोली लगने की खबर आई है। मुठभेड़ में घायल हुए बदमाश की पहचान मनोज हथौड़ी के रूप में हुई है। घटना रात करीब 2 बजे की है। बदमाश अंबेडकर नगर का रहने वाला है। मुठभेड़ में बदमाश के पैर में गोली लगी।

एक अन्य खबर में, उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में पुलिस ने मुठभेड़ में गोली लगने से घायल एक इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान एक पुलिसकर्मी भी गोली लगने से जख्मी हो गया। शहर कोतवाली क्षेत्र के अजीजगंज मोहल्ले में 28 अप्रैल को मामूली कहासुनी के बाद आरोपी शेरू ने अपने साथियों के साथ अखिलेश, कमलेश और जितेंद्र पर गोलियां चलाई थीं। गोली लगने से घायल कमलेश (40) की इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

घटना के बाद फरार हो गया था आरोपी: घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। उसकी

तलाश के लिए पुलिस की कई टीमों को तैनात किया गया था। उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने बताया कि 3-4 मई की दरम्यानी रात करीब 1.0 बजे सूचना मिलने पर पुलिस ने बरेली मोड़ के पास जंगल के इलाके में शेरू (30) की घेराबंदी की थी।

बदमाश ने पुलिस पर गोली चलाई: पुलिस ने उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा था, लेकिन उसने ऐसा करने के बजाय पुलिस पर गोलियां चलाई, जिसमें बरेली मोड़ चौकी पर तैनात सिपाही दीपेंद्र चौधरी गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी शेरू के दोनों पैरों में गोली लगी। इसके बाद आरोपी और घायल पुलिसकर्मी को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

शादी से पहले भांजे के साथ मौसी हुई फरार

नालंदा (एजेंसी)। बिहार के नालंदा जिले के बिंद थाना क्षेत्र के एक गांव में अजब प्रेम की गजब कहानी सामने आई है। दूल्हा बारात लेकर आ रहा था लेकिन शादी से ठीक पहले मौसी अपने भांजे के

साथ ही फरार हो गई। इस घटना से हड़कंप मच गया। बिंद थाना क्षेत्र के गांव की 19 वर्षीय युवती की शादी 11 मई को तय की गई थी और दूल्हा बारात लेकर आ रहा था और घर में शादी की रस्में शुरू हो गई थीं। आने की तैयारियां मेहमानों से घर भरा था और गीतों और शहनाई की धुन चारों तरफ सुनाई दे रही थी। जिस युवती की शादी हो रही थी उसके माता पिता दूसरे राज्य में रहते थे और बेटी की शादी करने गांव आए थे, लेकिन उन्हें क्या पता था कि कुछ ऐसा होगा जिससे उनकी नजरें पूरे समाज के सामने झुक जाएंगी।शादी से ठीक पहले रात में युवती घर से अचानक गायब हो गई। जब खोजबीन शुरू हुई तो पता चला कि वह अपने ही चचेरे भांजे के साथ फरार हो गई है। युवती उसकी मौसी लगती थी और युवक उसके घर आया करता था। दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गया था और दोनो शादी करना चाहते थे।

तमिलनाडु के इस इकलौते जिले में बजेगा युद्ध का सायरन

पाक के खिलाफ मॉक ड्रिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान जंग के मुहाने पर है। पाकिस्तान को जवाब देने को लेकर देश में बैठकों का दौर जारी है। इस क्रम में 7 मई को देशभर में मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। 7 मई को देश के 244 जिलों के 259 जगहों पर मॉक-ड्रिल के तौर पर युद्ध वाले सायरन बजाए जाएंगे। यह मॉक-ड्रिल नागरिकों को युद्ध के समय बजने वाले सायरन को पहचानने के लिए किया जाएगा। इस दौरान कुछ देर तक युद्ध वाला सायरन बजता रहेगा। हालांकि, नागरिकों को इससे घबराने की जरूरत नहीं है। तमिलनाडु में इस मॉक ड्रिल के लिए सिर्फ एक जिले को चुना गया है, जिसे लेकर निर्देश जारी हो गए हैं।

तमिलनाडु में यहां होगी मॉक ड्रिल: देश के 244 जिलों में कल इस सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। तमिलनाडु में इस मॉक ड्रिल को केवल एक जिले में किया जाएगा, जिसका नाम चेन्नई है। बता दें कि मॉक ड्रिल के लिए जिलों को तीन कैटेगरीज में विभाजित किया गया है। चेन्नई को कैटेगरी 1 में डाला गया है।

54 साल बाद भारत में युद्ध की मॉक ड्रिल: बता दें कि 7 मई यानि कल हिंदुस्तान पाकिस्तान को ट्रेलर दिखाएगा। भारत के 244 जिलों में 7 मई को मॉक ड्रिल होनी है। 1971 की जंग के बाद यानि 54 साल बाद भारत में युद्ध की मॉक ड्रिल की जा रही है। यह मॉक-ड्रिल नागरिकों को युद्ध के समय बजने वाले सायरन को पहचानने के लिए किया जाएगा। इस दौरान कुछ देर तक युद्ध वाला सायरन बजता रहेगा। हालांकि, नागरिकों को इससे घबराने की जरूरत नहीं है।

कब बजते हैं युद्ध वाले सायरन? आम तौर पर युद्ध और आपातकाल की स्थिति में इस तरह के सायरन बजाए जाते हैं। युद्ध के समय सायरन बजाने के कई मायने होते हैं, जिनमें लोगों को हवाई हमले की वार्निंग, एयरफोर्स के साथ रेडियो संपर्क चालू करने के लिए या फिर सिविल डिफेंस की तैयारियों को जांचने के लिए, ब्लैकआउट और कंट्रोल रूम की तैयारियों की जांच करने के लिए यह एक्सरसाइज किया जाता है। युद्ध के सायरन 2 से 5 किलोमीटर दूर तक सुनाई देते हैं। यह आम अलार्म या फिर एंबुलेंस के सायरन जैसा नहीं होगा। यह तेज आवाज वाला वार्निंग सिस्टम होगा, जो 120 से लेकर 140 डेसिबल तक की आवाज करेगा।

80 प्रतिशत बच्चों को प्रैक्टिकल में फेल किया

5-5 हजार रुपये की घुस न देने पर बिगड़ा बच्चों का रिजल्ट, डीएम ऑफिस पहुंचे छात्र

बलिया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से हैरान कर देने वाली घटना की खबर सामने आ रही है। यहां डीएम कार्यलय पर बड़ी संख्या में छात्रों की ओर से प्रदर्शन किया गया है। सैकड़ो छात्र-छात्राओं ने आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रैक्टिकल पास कराने के नाम पर पांच-पांच हजार रुपये की घूस नहीं देने पर 80त्न बच्चों को फेल कर दिया गया है। आइए जानते हैं इस पूरे मामले के बारे में।

सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने किया प्रदर्शन: यूपी के बलिया में सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचकर जमकर प्रदर्शन किया है। छात्र-छात्राओं ने बताया कि ÷हम लोगों ने थ्योरी की परीक्षा अपने योग्यता अनुसार पास कर ली है लेकिन प्रैक्टिकल पास कराने के नाम पर परीक्षा केंद्र .रूस कंप्यूटर इंस्टिट्यूट बेल्थरारोड द्वारा प्रत्येक छात्र छात्राओं से पांच-पांच की अवैध वसूली की जा रही है।÷

क्या है छात्रों का आरोप? छात्रों का आरोप है कि हम लोगों के द्वारा पैसा नहीं देने पर वहां के लोगों ने धमकी देते हुए कहा था

कि पैसा नहीं दोगे तो तुम लोगों को फेल कर देंगे। छात्रों के मुताबिक, जब परीक्षा परिणाम आया तो उसमें से 80त्न से अधिक छात्र-छात्राओं को फेल कर दिया गया है। यह सभी छात्र-छात्रा है सरकार की महत्वपूर्ण योजना के लाभार्थी है।

निष्पक्ष जांच की मांग: ये सभी पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की तरफ से निःशुल्क ह्न लेवल का कोर्स करने वाले छात्र-छात्राएं हैं। इन्होंने परीक्षा केंद्र पर गंभीर आरोप लगाया है। छात्र-छात्राओं ने मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और हम लोगों न्याय दिया जाए।

भारत-पाक टेंशन के बीच लखनऊ में बजा जंग का सायरन

जमीन पर लेट गए लोग, युद्ध से बचने की मॉक ड्रिल

लखनऊ (एजेंसी)। 7 मई को यानी कल होने वाली मॉक ड्रिल के लिए योगी सरकार भी तैयार है। लखनऊ में युद्ध से बचने के लिए आज मॉक ड्रिल की गई। पुलिस लाइन में हुई मॉक ड्रिल में लोग सायरन बजते ही जमीन पर लेट गए फिर गोली लगने पर या हमलों के बीच क्या किया जाए, इसकी ट्रेनिंग भी सिविलियंस को दी गई। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से मॉक ड्रिल को लेकर आदेश जारी किया गया है। इसके जरिए लोगों को आपात स्थिति के संबंध में जागरूक किया जाएगा। हवाई हमलों की स्थिति में किस प्रकार से जान-माल की रक्षा करनी है, इस संबंध में लोगों को जानकारी दी जाएगी।

लखनऊ में वॉर मॉक ड्रिल का ऐसे हुआ अभ्यास: हमले में घायल लोगों को किस तरह बचाना है, किस तरह अस्पताल तक पहुंचाना है ये भी सिविल

डिफेंस के लोगों ने लोगों को समझाया। ये सब लखनऊ में कल होनी वाली मॉक ड्रिल के लिए एक टेस्ट था। जंगी सायरन बचते ही खुद का बचाव कैसे करना है, सायरन बजते ही सबसे पहले क्या करना है, कैसे सेफ लोकेशन तक पहुंचना है ये भी लोगों को बताया गया। अगर हमले के दौरान धमाके से आग लगती है, उसे कैसे काबू किया जाए इसकी भी तकनीक बताई गई। कल फुल स्केल मॉक ड्रिल होगी और ये सिर्फ उसका ट्रेलर था।

मॉक ड्रिल में हैंड सायरन का इस्तेमाल हो रहा है। जिस वक्त अटैक हुआ या अटैक का इनपुट मिला, उस वक्त हैंड सायरन को घुमाया जाएगा। जितनी तेज हैंड सायरन घूमेगा, आवाज उतनी तेज आएगी। ये सायरन इतने पॉवरफुल हैं कि इसकी आवाज एक किलोमीटर तक सुनाई देगी। यूपी में भी 19 जगहों को चिन्हित किया गया है, जहां पर मॉक ड्रिल कराई जानी है।

सीएम रेखा गुप्ता ने कनॉट प्लेस पर की सफाई, 20 दिन तक चलेगा अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में स्वच्छता को लेकर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद अभियान चला रही है। दिल्ली के सार्वजनिक स्थानों को साफ-सुथरा बनाने के लिए एनडीएमसी 20 दिवसीय मेगा स्वच्छता अभियान शुरू किया है। एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्रा ने मंडी हाउस सर्किल और बंगाली मार्केट के बीच सफदर हाशमी मार्ग से इस अभियान की शुरुआत की। एनडीएमसी की यह पहल पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा घोषित व्यापक शहरव्यापी स्वच्छता अभियान का हिस्सा है। इस अभियान की शुरूआत 3 मई से हुई थी। इसके तहत दिल्ली के सार्वजनिक स्थलों में स्पष्ट बदलाव लाना है।

भोपाल शहर में सामान्य हुई विद्युत आपूर्ति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राजधानी में सोमवार दोपहर में चली तेज-आँधी तूफान एवं बारिश से प्रभावित हुई विद्युत प्रणाली को मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मैदानी अमले द्वारा तत्परता से सुधार कार्य करते हुए विद्युत आपूर्ति को बहाल कर दिया गया है। इस आँधी-तूफान एवं बारिश के कारण भोपाल शहर में 33 के.व्ही. के 12 एवं 11 के.व्ही. के 144 फीडर प्रभावित हुए थे, जिनमें से 33 के.व्ही. के 10 फीडरों को आधे घंटे में, 11 के.व्ही. के 79 फीडरों को लगभग 45 मिनिट में और बाकी सभी शेष 33 के.व्ही. 3 फीडर और 11 के.व्ही. के 65 फीडरों को 6 बजे तक कंपनी के अमले द्वारा युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए विद्युत आपूर्ति को बहाल करते हुए सामान्य कर दिया गया है। भोपाल शहर के अनेक क्षेत्रों जिनमें सौभाग्य नगर, नवीन नगर, अयोध्या बायपास के कॉलोनियों के साथ ही होशंगाबाद रोड क्षेत्र, अवधपुरी, वल्लभ नगर, खजूरी रोड, जाटखेड़ी, मिसरोद, चूनाभट्टी, रिवेयरा टाउन एवं पुराने भोपाल के कई इलाकों में बिजली लाइनों पर टहनियों के गिरने से बाधित हुई विद्युत आपूर्ति को कंपनी के मैदानी अमले ने बहुत ही कम समय में सामान्य कर दिया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि तेज-आँधी तूफान एवं बारिश के दौरान धैर्य बनाये रखें। कंपनी मुख्यालय के स्काडा सेंटर (कंट्रोल रूम) से विद्युत आपूर्ति की निगरानी तथा मैदानी स्टाफ को आवश्यक निर्देश दिये जाने के साथ ही विद्युत उपभोक्ताओं की व्यक्तिगत शिकायतों (एफ. ओ. सी.) को भी तत्काल अटेंड किया जा रहा है।

खादी वस्त्रों एवं ग्रामोद्योग सामग्री पर मिलेगी 20 प्रतिशत तक छूट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री दिलीप जायसवाल गौहर महल में राज्य स्तरीय खादी उत्सव 2025 के अंतर्गत खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ करेंगे। मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी ग्रामोद्योग उत्पादों के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं विक्रय के लिये राज्य स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी 15 मई 2025 तक रहेगी। इस आयोजन में प्रदेश के विभिन्न खादी वस्त्र एवं ग्रामोद्योग सामग्री का उत्पादन एवं विक्रय करने वाली सस्थाओं , इकाईयों एवं प्रदेश के स्व-सहायता समूहों द्वारा भाग लिया जा रहा है। प्रदर्शनी में सभी प्रकार के खादी वस्त्रों एवं ग्रामोद्योग सामग्री पर 20 प्रतिशत छूट का लाभ आमजन को प्रदान किया जाएगा। प्रदर्शनी में प्रदेश के कारीगरों द्वारा निर्मित खादी, रेशमी सिल्क साड़ियां, कोसा साड़ियां, सिल्क एवं कोसा वस्त्र, सूट, दुपट्टे आकर्षक डिजाइन एवं कलर में कबीरा ब्राण्ड के रेडीमेड गारमेंट्स एवं विन्ध्यावैली उत्पाद का भरपूर स्टॉक उपलब्ध है। इस प्रदर्शनी में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर राष्ट्र की विरासत खादी वस्त्रों का अधिकाधिक क्रय कर विशेष छूट का लाभ उठायें एवं प्रदेश के कत्तिन, बुनकरों एवं अन्य कारीगरों को निरंतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने में सहयोग प्रदान करें।

तेज हवाओं और बवंडर के कारण विंध्य क्षेत्र में चार ट्रांसमिशन टॉवर क्षतिग्रस्त

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है गत दिवस तेज हवाओं और बवंडर के कारण विंध्य क्षेत्र स्थित मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी की 220 के.व्ही. अमरकंटक-सीधी तथा 220 के.व्ही. सीधी-रीवा ट्रांसमिशन सर्किट के चार टॉवर क्षतिग्रस्त हो गये। इस कारण अमरकंटक से सीधी 220 के.व्ही. सर्किट में विद्युत प्रवाह प्रभावित हुआ, लेकिन 220 के व्ही सबस्टेशन सीधी में वैकल्पिक ट्रांसमिशन सप्लाई उपलब्ध होने से क्षेत्र में इस कारण कोई विद्युत व्यवधान नहीं हुआ। साथ ही इससे अमरकंटक थर्मल पावर स्टेशन चचाई में उत्पादित विद्युत की निकासी एवं पारेषण पर भी कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा और अन्य सर्किट अनूपपुर एवं जबलपुर में विद्युत आपूर्ति निर्विघ्न बनी रही।

125 से ज्यादा इलाकों की बी गुल, कंट्रोल रूम में हर घंटे पहुंचीं 100 शिकायतें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आंधी और बारिश का असर बिजली सप्लाई पर पड़ा। शिवाजी नगर में लिंक रोड नंबर 1 पर सी-21 बंगले के सामने और इंडस्ट्रियल एरिया आई सेक्टर में बिजली लाइन पर पेड़ गिर गया। कई इलाकों में बिजली लाइनों पर पेड़ों की डालें गिरीं। चंबल (गोविंदपुरा) सब स्टेशन से नए शहर के लिए निकले 33 केवी फीडर से बिजली सप्लाई बाधित हो गई। इससे 125 से ज्यादा कॉलोनियों और मोहल्लों में 2 से 3 घंटे बिजली ठप रही। बिजली कंपनी के कॉल सेंटर में 431 शिकायतें दर्ज हुईं। रंगमहल, डिपो चौराहा और शास्त्री नगर फीडर से जुड़े इलाकों में भी 3 घंटे बिजली गुल रही।

रंगमहल में लाइन में पतंग फंसी थी, जिससे फॉल्ट आ गया था। सौभाग्य नगर, इंद्रपुरी, पटेल नगर, सोनागिरी, करोंद मंडी फीडर से जुड़े इलाकों में भी बिजली सप्लाई बाधित रही। 24 शेड एरिया, ईदगाह हिल्स की आफरीन कॉलोनी, ओल्ड व न्यू सुभाष नगर, गोविंद गार्डन, पंजाबी बाग, सेमरा समेत कई इलाकों में भी बिजली गुल रही। आंधी-बारिश के मौसम में शहर में रोजाना औसतन 525 बिजली शिकायतें आती हैं। इन्हें अधिकतम 45 मिनट में अटेंड किया जाना चाहिए, लेकिन औसतन 2 घंटे लग जाते हैं। 27 जोनों में 8 से 15 किमी के क्षेत्र की जिम्मेदारी 3 कर्मचारी और 1 गाड़ी पर होती है। हर घंटे 5 शिकायतें निपटाना मुश्किल हो रहा है।

कोकता बायपास पर लगा एक दिशा सूचक बोर्ड आंधी के दौरान गिर गया। यह बोर्ड सड़क किनारे लगे नींबू पानी के ठेले पर गिरा। ठेला लगाने वाले 40 वर्षीय ओमप्रकाश को सिर, हाथ, पैर और कंधे पर गंभीर चोटें आई हैं। हादसा शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे हुआ। घायल ओमप्रकाश को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

दावा-45 मिनट में बिजली अमला मौके पर पहुंचता है

6हकीकत- चांदबड़ जोन खेजड़ा तक करीब 15 किमी के दायरे में फैला है। करीब 34 हजार उपभोक्ता हैं। शिकायतों के निपटारे के लिए सिर्फ एक वाहन और एक शिफ्ट में तीन कर्मचारी रहते हैं। इंद्र विहार जोन में भी यही हाल हैं। न्यू जेल रोड के आगे आरजीपीवी तक यह करीब 12 किमी के दायरे में फैला है।

दावा-45 मिनट में बिजली अमला मौके पर पहुंचता है

6हकीकत- चांदबड़ जोन खेजड़ा तक करीब 15 किमी के दायरे में फैला है। करीब 34 हजार उपभोक्ता हैं। शिकायतों के निपटारे के लिए सिर्फ एक वाहन और एक शिफ्ट में तीन कर्मचारी रहते हैं। इंद्र विहार जोन में भी यही हाल हैं। न्यू जेल रोड के आगे आरजीपीवी तक यह करीब 12 किमी के दायरे में फैला है।

दावाचैटबॉट शिकायत के लिए सबसे बेहतर सेवा

6हकीकत -शहर में डेढ़ लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ता ऑफ लाइन मोड से बिजली बिल का पेमेंट करते हैं। चैटबॉट पर 15 विकल्प आते हैं। उपभोक्ता तुरंत शिकायत के लिए विकल्प नंबर 1 चुनते हैं, लेकिन शिकायत दर्जही नहीं हो पाती है।

5 साल में सिर्फ दो नए जोन बन सके... सिटी सर्कल में पिछले 4 साल में सिर्फ दो नए जोन बन सके हैं। पहले सबसे बड़ा जोन विद्यानगर था। इसे विभाजित कर कटारा हिल्स नया जोन बनाया गया था। 2 साल पहले दानिशकुंज जोन को विभाजित कर बैरागढ़ चीचली नया जोन बनाया गया।

हबीबगंज आरओबी से अटक रहा मेट्रो का कमर्शियल ट्रायल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। इंदौर मेट्रो का 5.9 किमी लम्बा प्रायोरिटी कॉरिडोर कमर्शियल रन (यात्रियों की सवारी) के लिए तैयार है। भोपाल में 7.2 किमी के प्रायोरिटी कॉरिडोर (सुभाष नगर से एम्स) में मेट्रो का संचालन अगस्त तक करने का टारगेट है। हालांकि एक्सपर्ट्स का कहना है कि सिविल के काम अधूरे हैं। इन्हें पूरा करने में कम से कम 6 महीने का वक्त और लगेगा। इसकी बड़ी वजह हबीबगंज आरओबी का काम पूरा होने में लगा ज्यादा समय है। यह ट्रायल रन में बड़ी अड़चन है।

सुभाषनगर से एम्स तक 8 स्टेशनों की बिल्डिंग बन चुकी है। टिकट काउंटर आदि बन चुके हैं। बिजली सप्लाई वाली

थर्ड लाइन भी बिछ चुकी है। सिग्नल लगने के काम भी जारी हैं। डीआरएम ऑफिस, अलकापुरी और एम्स स्टेशन पर सिविल के काम बाकी हैं।

मेट्रो के 7 कोच आ चुके हैं। स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग एक्सपर्ट शैलेन्द्र बागरे ने कहा कि अभी हबीबगंज-एम्स सहित कई स्टशनों पर अप्रोच (लैंडिंग) का काम नहीं हुआ है। कई स्टशनों पर लिफ्ट-एस्केलेटर भी नहीं लगे, जिनमें कम से कम 3-4 महीने लगते हैं। मानसून आते ही स्टेशन के बाहर के काम रुक जाएंगे। प्रायोरिटी कॉरिडोर में कम से कम 6 महीने तो लग जाएंगे।

बिल्डरों पर रेरा ने निकाली 312 करोड़ रु. की रिकवरी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मार्च में रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) ने 20 जिलों में बिल्डरों पर करीब 312 करोड़ रुपए की वसूली के लिए रेवेन्यू रिकवरी सर्टिफिकेट (आरआरसी) जारी किए थे। कमिश्नर नगरीय विकास एवं आवास ने मार्च के आखिरी हफ्ते में सभी निगम कमिश्नरों और राजस्व अधिकारियों को वसूली के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अब तक जिलों से कोई जानकारी नहीं आई है।

रेरा को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट में देरी से परेशान खरीददार शिकायत भेजते हैं। इसके अलावा, बिना अनुमति प्रोजेक्ट शुरू करने या नियम तोड़ने पर भी रेरा बिल्डरों पर जुर्माना लगाता है। इन मामलों में रेरा आरआरसी जारी करता है। फिर यह सर्टिफिकेट नगरीय विकास एवं आवास

विभाग को भेजा जाता है।

वसूली की जिम्मेदारी जिलों के राजस्व अमले की होती है। अमला पहले नोटिस भेजता है। अगर राशि नहीं मिलती तो चल-अचल संपत्ति भी जब्त कर सकता है। मार्च में ऐसे 1976 मामलों में आरआरसी जारी हुई थी। कमिश्नर सिबि चक्रवर्ती ने कहा कि वसूली को लेकर निर्देश दिए गए थे। जल्द जिलों से फीडबैक लिया जाएगा। रेरा के प्रभारी सचिव राजेश बहुगुणा ने कहा कि अधिकतर आरआरसी पेनल्टी और डिपॉजिट रिफंड के मामलों की हैं। वसूली की जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है।

भोपाल में सबसे ज्यादा 815 मामले हैं। इनमें 169 करोड़ रुपए वसूले जाने हैं। इंदौर में 769 मामलों में 86 करोड़ से अधिक की वसूली होनी है। रायसेन में करीब 14 करोड़ की राशि वसूली योग्य है। कुल मिलाकर 20 जिलों में 312 करोड़ से ज्यादा की रिकवरी बाकी है।

जेपी अस्पताल बना फिर प्रदेश मॉडल जिला अस्पताल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल से डॉक्टरों को न्यायालय में पेशी या गवाही के लिए व्यक्तिगत रूप से कोर्ट नहीं जाना पड़ेगा। जेपी अस्पताल मध्यप्रदेश का पहला जिला अस्पताल बनने जा रहा है जहां वर्चुअल पेशी की सुविधा शुरू की जा रही है। इस व्यवस्था के तहत डॉक्टर अब अस्पताल परिसर से ही ऑनलाइन माध्यम से न्यायिक कार्यवाही में शामिल हो सकेंगे।

इस पहल को हाईकोर्ट के निर्देशों के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा लागू किया जा रहा है। जेपी अस्पताल में अधीक्षक कक्ष के बगल में डिजिटल कॉन्फ्रेंस हॉल तैयार किया जा रहा है, जो लगभग अंतिम चरण में है। संभावना है कि अगले एक सप्ताह में यह सुविधा औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगी। इस नई व्यवस्था से डॉक्टरों को अब कोर्ट में पेशी के लिए अस्पताल छोड़कर दूरदराज की अदालतों में नहीं जाना पड़ेगा। इससे उनकी ओपीडी और इमरजेंसी सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा, और मरीजों को समय पर इलाज मिल सकेगा। साथ ही, डॉक्टरों की न्यायिक मामलों में समय पर उपस्थिति भी सुनिश्चित की जा सकेगी, जिससे कोर्ट की कार्यवाही भी बाधित नहीं होगी।

स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश के सभी जिलों से रिपोर्ट मांगी है कि कहां-कहां डिजिटल पेशी हॉल बन चुके हैं और कहां कार्य अभी लंबित है। आने वाले समय में प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में यह सुविधा अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। जेपी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि यह तकनीकी नवाचार न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को बाधित होने से बचाएगा, बल्कि न्यायिक प्रणाली की दक्षता और चिकित्सा सेवा की उपलब्धता, दोनों में संतुलन स्थापित करेगा। इससे डॉक्टरों का कीमती समय भी बचेगा और मरीजों को भी बार-बार तारीख के दिन इलाज से वंचित नहीं रहना पड़ेगा।

नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण में होंगे समझौते

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में 10 मई 2025 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत आयोजित होगी। इसमें बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि धारा 135 के अंतर्गत अदालत में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये निम्न दाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को ही प्रकरणों में छूट दी जाएगी। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अप्रिय कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें। प्री-लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

राजस्व रिकार्ड में जल संरचनाओं को संरक्षण के उद्देश्य से किया जा रहा है दर्ज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में 30 मार्च से शुरू किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान नागरिकों की भागीदारी से सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है। यह अभियान समाज के प्रत्येक तबके को महत्वपूर्ण उद्देश्य से जोड़ने में सफल रहा है। प्रत्येक जिले में जल स्त्रोतों की पहचान की गई है और उनके संरक्षण की दिशा में ठोस कार्य किया जा रहा है। अभियान में प्राचीन बावड़ी के इतिहास की जानकारी नागरिकों को देते हुए इसके सफाई अभियान से नागरिकों को जोड़ा गया है। यह अभियान 30 जून तक चलेगा। अभियान में जल संरचनाओं को राजस्व रिकार्ड में भी जागरूकता के साथ दर्ज किया जा रहा है।

उमरिया जिले में अमृत सरोवर को राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया जा रहा है। जिले में एक मई तक 30 अमृत सरोवरों में से 20 अमृत सरोवरों को राजस्व् रिकार्ड में दर्ज किया जा चुका है। राजस्व अभिलेख में अन्य जल संरचनाएं नहर, तालाब, चेक डेम, स्टॉप डेम इत्यादि को भी अभिलेख मे दर्ज किया गया है। इनकी संख्या 173 है। जिले में नदी, तालाबों, घाटों, कुओं के आस पास श्रमदान करके साफ-सफाई की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ जल स्त्रोतों के आस-पास हुए अतिक्रमण को हटाने की भी कार्रवाई की जा रही है। तहसीलदार मानपुर ने बताया कि चितौहा, नाला डोडका, ताजिया नाला, मझखेता ग्राम पंचायत के अंतर्गत 0.185 हैक्टेयर में हुए अतिक्रमण को हटाने की भी कार्रवाई की गई।

शहडोल जिले में जल स्त्रोतों के संरक्षण के काम को आंदोलन का रूप दिया गया है। जनमानस में यह संदेश दिया गया है कि जल को बचाएं, जीवन को बचाएं, जब तक जल सुरक्षित है तब तक कल सुरक्षित है। जिले की समस्त जनपद पंचायत की ग्राम पंचायतों में जल गंगा संवर्धन अभियान में लोग उत्साह एवं उमंग के साथ जल का महत्व समझते हुए श्रमदान कर रहे हैं। नरवार, मझौली ग्राम पंचायत में नवीन खेत तालाब के कार्य किए गए हैं।

नई फिल्म टूरिज्म पॉलिसी और अधिक आकर्षक : प्रमुख सचिव शुक्ला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट 2025 में मध्यप्रदेश अपनी रचनात्मकता, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं के साथ वैश्विक मंच पर एक नई पहचान बनाई। इस अवसर पर प्रसिद्ध अभिनेता आमिर खान मध्यप्रदेश द्वारा तैयार किए गए अतुलनीय मध्यप्रदेश पेवेलियन पहुंचे। मध्यप्रदेश के अपर मुख्य सचिव आईटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे और प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने वेव्स में उनका स्वागत किया।

आमिर खान ने कहा कि मध्यप्रदेश के लोग सिनेमा फ्रेंडली हैं, जिससे कलाकारों के साथ-साथ फिल्म निर्माण में जुटी पूरी टीम को काम करने में सहजता और सरलता का अनुभव होता है। इसके अलावा मध्यप्रदेश में वेरायटी ऑफ लोकेशन्स हैं, खूबसूरती है, जिसकी वजह से फिल्म निर्माण के अलग-अलग दृश्यों को शूट करने में आसानी होती है। यह न केवल फिल्म के निर्माण की अवधि को कम करता है बल्कि बजट में भी कमी आती है। मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन नीति-2025 की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के ग्रामीण परिवेश में बन रही फिल्में सिनेमा जगत में कमाल कर रही हैं। उन्होंने आगामी भविष्य में फिल्में प्रदेश में शूट करने की इच्छा जाहिर की। वे मध्यप्रदेश की नई एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी-2025 की विशेषताओं को जाना और सहभागिता करने के लिये उत्सुक नजर आए। प्रदेश में शूट हुई फिल्म लापता लेडीज को भारत की तरफ से आधिकारिक रूप से ऑस्कर पुरस्कार के भेजा गया था। नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र में डिजिटल सपनों और सिनेमाई दृष्टिकोण के साथ मध्यप्रदेश-अगला रचनात्मक केंद्र विषय पर पैनल डिस्कशन हुआ।

भोपाल में तीन दिवसीय विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में सोमवार से तीन दिवसीय विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू हुई। कार्यशाला में प्रदेश के चयनित मास्टर्स ट्रेनर्स सहभागिता कर रहे हैं। यह मास्टर ट्रेनर्स अपने-अपने जिलों में जाकर जिले के विज्ञान शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। कार्यशाला में विज्ञान शिक्षकों के लिए कक्षा 6 से 12 के प्रायोगिक एवं प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण व्यवस्था की जानकारी दी जा रही है।

कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को करके सीखने की पद्धति, प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण और 21वीं सदी के कौशलों से विद्यार्थियों को सशक्त करना है। इस व्यवस्था से विद्यार्थी जिज्ञासु, सहभागी और विज्ञान के प्रति जागरूक हो सकेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग नई शिक्षा नीति के आधार पर शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष जोर दे रहा है। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिये विज्ञान शिक्षको की कार्यशाला आयोजित की जा रही है। विज्ञान शिक्षा का 'नवोन्मेष' मॉड्यूल तीन दिवसीय प्रायोगिक प्रशिक्षण का चरणबद्ध संचालन मार्गदर्शित करता है। इस मॉड्यूल से विज्ञान विषय के मास्टर ट्रेनर्स संभाग स्तरीय प्रशिक्षण को प्रभावी बना सकेंगे। प्रशिक्षण का दूसरा मॉड्यूल 'प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण' है। इस मॉड्यूल में राज्य के शिक्षकों द्वारा पूर्व वर्षों में किए गए सफल प्रोजेक्ट्स को संकलित करना है, जो आगामी सत्र के लिए प्रोजेक्ट योजनाओं का मार्गदर्शन करेगा। अपर संचालक श्री रविन्द्र सिंह ने सभी मास्टर ट्रेनर्स को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान एक अत्यंत रोचक विषय है, इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि हम अपने विद्यार्थियों के लिए कैसी जगह बनाते हैं। विद्यार्थियों के लिये कक्षा में ऐसा माहौल तैयार किया जाएं, जिसमें छात्र सहज होकर विज्ञान संबंधी सवाल पूछ सकें। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को प्रायोगिक मासिक योजना, प्रयोगशाला संसाधनों, प्रेक्टिकल बेस लर्निंग और आंकलन से जोड़ने की दिशा में भी मार्गदर्शन दिया जाएगा।

गेहूं खरीदी में पंजाब पहले और मप्र दूसरे स्थान पर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के मामले में पंजाब के बाद मध्य प्रदेश दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। पिछले साल की तुलना में इस साल 30 अप्रैल की स्थिति में देश में 19 लाख मीट्रिक टन अधिक (39 फीसदी) गेहूं खरीदा गया है। 30 अप्रैल तक मध्य प्रदेश में कुल गेहूं खरीदी 67.57 लाख मीट्रिक टन हो गई है। पिछले साल प्रदेश में कुल गेहूं खरीदी सिर्फ 48.39 लाख मीट्रिक टन हुई थी। प्रदेश में गेहूं की खरीदी 5 मई तक चलनी है। हालांकि, स्लॉट बुकिंग अब बंद हो गई है। अगले चार-पांच दिन में प्रदेश में गेहूं खरीद का आंकड़ा 75 लाख मीट्रिक टन तक पहुंचने का अनुमान है। देशभर में प्रमुख गेहूं उत्पादक राज्यों में रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए गेहूं खरीदी या तो पूरी हो गई है या अंतिम चरण में है। इस साल केंद्र ने देश में 312 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा था। इस लक्ष्य की तुलना में अब तक केंद्रीय पूल में 256.31 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। पिछले साल 30 अप्रैल तक देश में 205.41 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया था। इस लिहाज से इस बार देश में अब तक 24.78ल अधिक गेहूं सरकार खरीद चुकी है।

सीधी में जल गंगा संवर्धन अभियान में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया श्रमदान

सांसद सीधी और कमिश्नर ने गजास नदी की सफाई में किया श्रमदान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश के सभी जिलों के साथ-साथ रीवा संभाग के सीधी जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण और संर्वधन के कार्य किए जा रहे हैं। सीधी विकासखण्ड के शिवमंदिर के लिए विख्यात ग्राम बढ़ौरा में गजास नदी की साफ-सफाई के लिए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने सामूहिक रूप से श्रमदान किया। सांसद सीधी डॉ राजेश मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजूराम सिंह, कमिश्नर रीवा बीएस जामोद, कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंशुमान राज तथा जन अभियान परिषद के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने बड़े उत्साह के साथ दो घंटे तक हिर्रहवा घाट में साफ-सफाई कर बोरी बांध बनाए। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं ने मंगल गीत गाकर शिवजी की वंदना की और लोकगीतों के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर सांसद डॉ मिश्रा ने कहा कि परंपरागत रूप से हम सब प्राचीन काल से प्राकृतिक शक्तियों की पूजा करते आए हैं। आज भी संतान को जन्म देने के बाद प्रसूता से कुंआ पूजन कराया जाता है। मांगलिक कार्यों के बाद इसका समापन चौथी छुड़ाने के रूप में जलाशय में ही होता है। यहाँ तक कि अंतिम संस्कार के बाद भी जलाशय में सामूहिक रूप से स्नान किए जाने की परंपरा रही है। मानव के जीवन में नदियों का अमूल्य योगदान है। इसलिए हम नदियों को माता मानते हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान में गजास नदी की साफ-सफाई का कार्य शुरू करके रीवा संभाग के कमिश्नर ने सराहनीय पहल की है। बढ़ौरा भगवान शिव का धाम है। गजास नदी में स्नान करके इससे भक्त शिव जी का अभिषेक करते थे। इसे पुनः साफ करके सदानीरा और पवित्र बनाएंगे। हिर्रहवा घाट में पुल और स्टॉप डैम का निर्माण भी किया जाएगा।

कार्यक्रम में कमिश्नर श्री जामोद ने कहा कि हम अपने पुरखों द्वारा विभिन्न माध्यमों से धरती माँ की कोख में संचित किए गए पानी का वर्षों से उपयोग कर रहे हैं। अब समय आ गया है हम सबको धरती माँ की कोख में जल का कोष बनाना है। हमने समय रहते जल संरक्षण के कार्य नहीं किए तो आने वाली पीढ़ी का जीवन संकट में होगा। पृथ्वी में वनों के विनाश और जल स्त्रोतों के अविवेकपूर्ण दोहन से तापमान लगातार बढ़ रहा है। केवल कुछ डिग्री तापमान बढ़ गया तो पृथ्वी पर मानव और अन्य जीवों का जीवन समाप्त होने लगेगा। जल गंगा संवर्धन अभियान वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसे महज अभियान नहीं जन आंदोलन बनाएं। हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में जल संरक्षण में योगदान दें। खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में रहेगा तभी खेती संभव है। पक्के घरों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाएं। कुंओं और हैण्डपंप में रिचार्ज पिट बनाएं। खेत तालाब और अमृत सरोवर बनाकर वर्षाजल का संचय करें। जल संचय और वृक्षारोपण सबसे बड़ा पुण्य है। इस अवसर पर एसडीएम गोपद बनास नीलेश शर्मा, सीईओ जनपद पंचायत अशोक तिवारी, संयुक्त संचालक डॉ राजेश मिश्रा, क्षेत्रीय संचालक उच्च शिक्षा आरपी सिंह, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, संभागीय समन्वयक जन अभियान परिषद प्रवीण पाठक, जन अभियान परिषद के सदस्य कृष्णकांत द्विवेदी, सरपंच बढ़ौरा रामलाल कोल, शिवदत्त उरमलिया तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश की मेरिट सूची में कला संकाय में दूसरा स्थान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कक्षा-12 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। विद्यालय से परीक्षा में सम्मिलित नियमित छात्र अभिषेक मिश्रा पिता अशोक कुमार मिश्रा ने कला संकाय में 488 अंक प्राप्त करके 97.6% परीक्षा फल के साथ परीक्षा उत्तीर्ण किया। छात्र को मध्य प्रदेश की मेरिट सूची में कला संकाय में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ, छात्र ने इस बेहतर उपलब्धि के साथ अपने माता-पिता तथा विद्यालय को गौरवान्वित किया है। विद्यालय के संचालक श्री प्रदीप तिवारी सह-संचालक सौरभ तिवारी, प्राचार्य राजेंद्र सिंह एवं बृजेंद्र मिश्रा, गगन परसाई एवं अन्य शिक्षकों द्वारा छात्र के उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं एवं सफलता पर हार्दिक बधाई प्रेषित किया गया है। छात्र ने भविष्य में अपने करियर के रूप में पब्लिक सर्विसेज यूपीएससी एवं पीएससी में चयनित होना निश्चित किया है।

मनमानी दामों में बिक रही शराब विभाग की मौन सहमति

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कोटर समूह की संचालित शासकीय देशी-विदेशी कम्पोजिट शराब दुकान वर्ष 2025-26के ठेकेदार इस बार मंजीत सिंह गुम्बर को मिला है उन्होंन पेटी कॉन्टेक्ट में यह दुकान पिछले वर्ष रामपुर बाघेलान के छिबौरा शराब दुकान के ठेकेदार विकास सिंह को दे दिया है।पेटी कॉन्टेक्ट कोटर समूह शराब दुकान के ठेकेदार जिला आबकारी अधिकारी व विभाग के अधिकारियो के खुले संरक्षण व मिलीभगत से एमआरपी रेट से ज्यादा बिक रही है बीयर और देशी-अंग्रेजी शराब आबकारी प्रशासन पूरी तरह से मौन ग्राम वासिओ व नगर वासियो मे आक्रोश इमानदार सतना कलेक्टर डॉक्टर सतीश कुमार एस के दिशा-निर्देशन की खुलेआम उड़ाई जा रही है धज्जियां दुकान के कर्मचारियों द्वारा खुद वियर का दाम 250/बताया जा रहा है जबकि आबकारी विभाग ने फिक्स कर रखा है दाम विभाग की मौन सहमति से लूटने को मजबूर शराब के शौकीन लोग

कलेक्टर ने ई केवाईसी अपडेशन में लापरवाही पर 6 अधिकारियों को दिया नोटिस

रीवा. जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र पोर्टल पर शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत दर्ज हितग्राहियों के ई केवाईसी अपडेशन का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने ई केवाईसी अपडेशन में लापरवाही बरतने पर 6 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया है। नोटिस का तीन दिन की समय सीमा में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर एक पक्षीय अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने सीएमओ नगर परिषद त्योंथर अजय पाण्डेय, प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गंगेव निखिल मिश्रा तथा सामाजिक सुरक्षा अधिकारी नगर निगम रीवा श्रीमती प्रज्ञा तिवारी को नोटिस दिया है। कलेक्टर ने सीएमओ चाकघाट नगर परिषद संजय सिंह, सीएमओ डभौरा नगर परिषद ज्ञानेन्द्र कुमार मिश्रा तथा सीएमओ सिरमौर नगर परिषद संतोष कुमार सिंह को भी कारण बताओ नोटिस दिया है।

कुक्कुट प्रक्षेत्र के प्रबंधक हुये सेवानिवृत्त

रीवा. लगभग 21 वर्षों तक शासकीय कुक्कुट प्रक्षेत्र चिरहुला रीवा में प्रबंधक पद पर पदस्थ रहने के उपरांत गत 30 अप्रैल को डॉ. सुखराज सिंह बघेल सेवानिवृत्त हो गये। डॉ. बघेल इसके पूर्व सूरजपुर (सरगुजा), उमरिया जिले के विकासखण्ड करकेली मानपुर एवं सीधी जिला मुख्यालय में भी पदस्थ रहे हैं। करकेली विकासखण्ड में पदस्थापना के दौरान कई विभागीय संस्थाओं के अतिरिक्त प्रभार के साथ-साथ विकासखण्ड अधिकारी एवं जनपद पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी के प्रभार में रहते हुये अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

कृषि और उससे जुड़े विभागों के अधिकारी टीम वर्क के रूप में करें काम - कमिश्नर

कमिश्नर ने सीधी में अधिकारियों और कर्मचारियों को खेती को उन्नत बनाने का दिया मंत्र

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खेती को बेहतर करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कृषि और उससे जुड़े विभागों की संभागीय प्रशिक्षण बैठक सीधी के कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि को आधुनिक बनाना आवश्यक है। खेती के साथ-साथ किसान उद्यानिकी, पशुपालन तथा मछली पालन जैसे व्यवसाय अपनाकर भी समृद्ध बन सकते हैं। इसके लिए कृषि और उससे जुड़े विभागों के अधिकारियों को टीम वर्क के रूप में काम करना है। कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मछली पालन विभाग के संभाग, जिला, विकासखण्ड और ग्राम स्तर के कर्मचारी एक-दूसरे की विभागीय योजनाओं की पूरी जानकारी रखें। हम सबका प्रमुख लक्ष्य किसानों का कल्याण करना है। जब किसानों से भेंट करें तो उन्हें अपने विभाग की योजनाओं और कार्यक्रम के साथ-साथ सहयोगी विभाग के योजनाओं और कार्यक्रमों की भी जानकारी दें। इससे किसानों के मन में आपके प्रति विश्वास और सम्मान कई गुना बढ़ जाएगा। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी विभागीय योजनाओं का निरंतर प्रचार-प्रसार करें। जानकारी के अभाव में किसान योजनाओं का लाभ उठाने से वंचित रह जाते हैं। विकास की दौड़ में जो किसान सबसे पीछे है उस तक योजनाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित करें। कृषि विभाग के अधिकारी उद्यानिकी और पशुपालन विभाग के कार्य को भी अपना ही काम समझें। दूसरों का कार्य करने और खुले मन से सहयोग करने पर जो सुख मिलता है उसे केवल महसूस किया जा सकता है। उप संचालक कृषि विभागीय योजनाओं तथा अन्य विभागों की जानकारी प्रत्येक कर्मचारी तक पहुंचाएं। जिला और संभाग स्तर पर व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर उसमें सभी संबंधित विभागों के अधिकारी जुड़कर एक दूसरे से संवाद और संपर्क में रहें। विभागीय योजनाओं की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित करें। सबके समन्वित प्रयासों से ही खेती में उन्नति होगी। पूरे विन्ध्य क्षेत्र में खाद्यान्न के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों, पशुपालन और मछलीपालन की अपार संभावनाएं हैं। बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने कहा कि जिस तरह क्रिकेट और फुटबाल की टीम हर खिलाड़ी के योगदान से विजय प्राप्त करती है उसी तरह कृषि और उससे जुड़े विभागों के कर्मचारी मिलकर प्रयास करके खेती को बेहतर बनाएं। दूसरों के कार्य को भी अपनी जिम्मेदारी समझें। बैठक में संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि जब हम एक-दूसरे के साथ सहयोग करेंगे तो ग्रामीण क्षेत्र में हमारी पहुंच कई गुना बढ़ जाएगी। विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी हो जाएगा। इसके लिए किसी अतिरिक्त प्रयास की भी आवश्यकता नहीं होगी। जब हम किसान से भेंट करें तो उसे अपने विभाग की योजनाओं के साथ-साथ अन्य विभागों के कार्यों से भी अवगत कराएं। उप संचालक मछलीपालन डॉ अंजना सिंह ने कहा कि संभागीय बैठकों में पूरे संभाग में कृषि और उससे जुड़े विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों को प्रेरित किया है। हम एक-दूसरे से सहयोग करके खेती को बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे। उप संचालक कृषि संजय श्रीवास्तव ने बैठक के उद्देश्यों की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में संभागीय कृषि यंत्री एसके नरवरे, उप संचालक पशुपालन डॉ एसके सिंह तथा कृषि और उससे जुड़े विभागों के संभागीय, जिला एवं खण्ड स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे।

आत्मा के बिना देह नहीं : पंडित अशोक बाजपेयी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। देह और आत्मा अलग होने पर भी संबंधित हे आत्मा के बिना देह नहीं देह बिना आत्मा की कोई चर्चा नहीं उक्त प्रवचन पंडित अशोक बाजपेयी जी ने श्री धामा आश्रम चल रहे भागवत महापुराण कथा के दूसरे दिन गोकर्ण द्वारा दिए गए उपदेश पर कहीं बाजपेई जी ने कहा देह त्याग से मुक्ति नहीं हो सकती पत्नी पुत्रदिकले के प्रति जो ममता है ममता की त्याग से ही मुक्ति संभव है (पशयानिशम जगदिदम क्षणग़गुनिष्ठाम) जगत की मांगुरता का सही बोध होना ही वैराग्य है संसार नश्वर है हमें दिखाता है परन्तु हम इसे आत्मसात नहीं कर पाते जो भी दिख रहा है वह सब मिटने वाला ही है केवल में का आत्म बोध ही जीने की पुडिता हे (वैराग्य राग रसिकों मत भक्ति निष्ठा) का भाव है जो राग़ संसार की तरफ जा रहा है उसे परमात्मा की तरफ मोड़ देना है अर्थात जगत के राग से मुक्त होकर ईश्वर के राग़ से मुक्त होना हे यही भक्ति है।

इसके आगे उन्होंने कहा धर्म कर्म जीवन में होता है परंतु समस्त धर्मों का उद्देश परम धर्म ईश्वर की प्राप्ति पर ईश्वर उपलब्ध हो जाने समस्त धर्म एवं कर्म पीछे छूट जाते हैं जैसे छत के पाने के लिए सीढ़ियां उपयोगी है परंतु छत मिल जाने पर सीढ़ियां पीछे छूट जाती है।

स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी के प्रिय शिष्य ओमप्रकाश उदासीन जी ने बताया भागवत महापुराण कथा के दूसरे दिन प्रातः जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरण एवं शहर में गौ सेवा भी की गई यह सेवा निरंतर 11 मई तक जारी रहेगी।

मैहर पुलिस को मिली बडी सफलता

हत्या के दोनो आरोपियों को महज 36 घन्टे के भीतर गिरफ्तार कर भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। पुलिस अधीक्षक मैहर सुधीर अग्रवाल के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मैहर डॉ. चंचल नागर एवम अनु0अधि0 पुलिस प्रतिभा शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरी.टीकाराम कुर्मी द्वारा की गई कार्यवाही। जानकारी के मुताबिक दिनांक 04/05/25 को फरियादिया सोनम लोनी पति बलराम लोनी उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम देवरी कला थाना रामनगर जिला मैहर (म.प्र.) की थाना उपस्थित आकर मौखिक रिपोर्ट दर्ज करायी कि दिनांक 04.05.25 को दोपहर करीब 02.00 बजे मेरे पति बलराम उर्फ लूलू लोनी की मेरे जेठ शान्ता प्रसाद लोनी उर्फ लल्ली ने टांगी मारकर हत्या कर दी है और मौके से फरार हो गया है रिपोर्ट पर थाना रामनगर में अप0क्र0 223/25 धारा 103(1) भा0न्या0सं0 पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना मे लिया गया एवं मामले के आरोपी शान्ता प्रसाद लोनी उर्फ लल्ली पिता हर प्रसाद लोनी उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम देवरी कला थाना रामनगर जिला मैहर की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम गठित की जाकर पतारशी की गयी । आरोपी जिले की सीमाओं से बाहर भागने की फिराक मे था जिसे घेराबंदी कर मैहर रेलवे स्टेशन मे दस्तयाब किया गया व आरोपी से पूछताछ पर अपने चाचा राजेश लोनी के द्वारा बलराम लोनी की हत्या करने की योजना बनाना और हत्या करने हेतु हथियार लोहे का टांगा (कुल्हाड़ी) देना व हत्या करने के बाद आरोपी को फरार करने मे सहयोग करना बताया एवं आरोपी के पेश करने पर हत्या मे प्रयुक्त हथियार एक अदद लोहे का टांगा जप्त किया गया एवं मुख्य आरोपी शान्ता प्रसाद लोनी के मेमोरेण्डम के आधार पर मामले मे धारा 61(2) भा0न्या0सं0 बढ़ाई जाकर मामले के सह आरोपी राजेश लोनी को ग्राम देवरी से गिरफ्तार किया जाकर दोनो आरोपीगण को न्यायिक अभिरक्षा मे उप जेल मैहर दाखिल किया गया है। आरोपी शान्ता प्रसाद लोनी उर्फ लल्ली पिता हर प्रसाद लोनी उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम देवरी कला थाना रामनगर जिला मैहर और राजेश लोनी पिता श्री निवास लोनी उम्र 39 वर्ष निवासी ग्राम देवरी कला थाना रामनगर जिला मैहर। जप्ती घटना में प्रयुक्त एक अदद टागा (कुल्हाड़ी) । सराहनीय भूमिका- निरी. टीकाराम कुर्मी थाना प्रभारी रामनगर, उप निरी. भैयालाल रावत, सउनि बलवीर सिंह, सउनि धीरज भारती, प्र.आर. रावेन्द्र सिंह, प्र.आर. नितीश यादव, प्र.आर. श्रीकुमार मिश्रा, आर. राजेश यादव, आर. सन्नी छारी, आर. राहुल पाण्डेय, आर. आशीष रावत, आर. जितेन्द्र पटेल, आर. राहुल मिश्रा, म.आर.सविता तिवारी एवं सायबर सेल आर.संदीप सिंह परिहार, आर. सुशील द्विवेदी।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म. प्र.)

क्रमांक 1572/राजस्व/न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक 06/05/2025

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अचल सम्पत्ति के नामांतरण के आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं। उक्त संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो, इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस के अवधि में इस कार्यालय के नामांतरण शाखा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समय अवधि पश्चात् कोई आपति ग्रहण नहीं की जावेगी। तत्पश्चात् नामांतरण की विधिवत् कार्यवाही की जावेगी।

क्र.	प्रकरण क्रमांक	वार्ड/भवन क्रमांक (भवन की स्थिति)	इन्द्राजी का नाम	नामांतरण चाहिता	नामांतरण का आधार
1	039	31/184 तरहटी पुरानी पुलिस चौकी के पास, जिला –रीवा (म0प्र0)	श्रीमती ललिता सिंह पति श्री काशी सिंह	श्री छोटेलाल सिंह पिता श्री काशी सिंह	वारिसाना
2	422	11/122 मौजा बरा, जिला –रीवा (म0प्र0)	श्री भगवानदीन पटेल पिता श्री ठाकुरदीन पटेल	श्री बैजनाथ पटेल, श्री रामप्रसाद पटेल, श्री राजेश कुमार पटेल तीनो के पिता स्व0 श्री भगवानदीन पटेल	वारिसाना
3	413	29/338 पाण्डेन टोला, जिला – रीवा (म0प्र0)	स्व0 श्रीमती सिजिया कहार पति श्री रामभरोसा कहार	श्री मोहनलाल रैकवार पिता स्व0 श्री रामभरोसा रैकवार	वारिसाना

उपायुक्त (राजस्व)
हेतु आयुक्त
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

विचार

ये हैं कौन ,कहाँ से आते हैं और इन्हें भेजता कौन है ?

भीष्म साहनी द्वारा लिखित लोकप्रिय उपन्यास तमस का प्रकाशन 1973 में हुआ था। साहित्य जगत में यह उपन्यास बहुत ही लोकप्रिय हुआ था। इसे 1975 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से भी नवाज़ा गया। प्रसिद्ध फ़िल्म निर्माता गोविंद निहलानी ने 1986 में इसी तमस उपन्यास पर आधारित एक दूरदर्शन धारावाहिक तथा एक फ़िल्म भी बनाई। इस में भारत पाक विभाजन के समय की कई दर्दनाक घटनाओं का वर्णन किया गया है। इसी में यह भी दिखाया गया था कि किस तरह साम्प्रदायिक दंगे भड़काने के लिये कोई मुसलमान ही किसी मस्जिद में सूअर का मांस फेंक देता है और कोई हिन्दू मंदिरों में गौमांस फेंककर साम्प्रदायिक तनाव के वातावरण में पेट्रोल छिड़कने जैसे काम करता है। गोया यह एक पुरानी व सधी हुई रणनीति है जोकि विघटनकारी मानसिकता रखने वाले राजनीतिज्ञों द्वारा साम्प्रदायिक दंगे भड़काने के लिये और उसके बाद उसका राजनैतिक लाभ उठाने के लिये अमल में लाई जाती है।

तो क्या 1947 जैसी साम्प्रदायिक मानसिकता रखने वाले षड़यंत्रकारी राजनीतिज्ञों द्वारा देश की स्वतंत्रता के लगभग आठ दशक बाद आज भी उसी तरह का घिनौना खेल खेला जा रहा है ? क्या आज भी देश के विभिन्न इलाक़ों में उसी तरह की शक्तियां सक्रिय हैं जो वेश बदलकर या लुका छुपी कर साम्प्रदायिक उन्माद फैलाने व दंगे भड़काने में अहम किरदार निभा रही हैं। गत कई वर्षों से इसतरह की ख़बरों की सोशल मीडिया व अख़बारों में बाढ़ सी आई हुई है। जबकि इतने गंभीर विषय पर देश का स्वयंभू मुख्यधारा का मीडिया ख़ामोश रहता है। मिसाल के तौर पर हमारे देश में गौकशी या गौमांस का मुद्दा बेहद संवेदनशील मुद्दा है। उत्तर प्रदेश व अन्य कई राज्यों में गौ तस्करी या गोहत्या के मामाले सामने आये। कई मामलों में आरोपियों को पीट पीट कर मार डाला गया। कई का पुलिस एनकाउंटर किया गया। ज़ाहिर है ऐसे मामलों में मुसलमान ही प्रायः निशाना बनते रहे हैं। परन्तु जब पुलिस उत्तर प्रदेश के बिजनौर में राहुल, सचिन और बृजपाल को कार में दो क्विंटल गोमांस के साथ गिरफ़्तार करती है तो इसे किस नज़रिये से देखा जाना चाहिये ? जब आगरा और मुरादाबाद में भी पुलिस गोहत्या के मामले में हिंदूवादी कार्यकर्ताओं को गिरफ़्तार करे तो क्या कहा जाये ? इसी तरह इसी वर्ष गत 12 मार्च को ग़ाज़ियाबाद के सिहानी गेट थाना क्षेत्र में कुछ लोगों ने गौशाला में मांस रखकर उसे गौमांस बताने और धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिश की। पुलिस को पता चला कि यह साज़िश पास की ही एक दूसरी गौशाला की संचालक छाया शर्मा और उसके साथियों ने रची थी। उनका मक़सद श्रीराम गौशाला पर क़ब्ज़ा जमाना और धार्मिक माहौल ख़राब करना था।

राज्यपाल की रिपोर्ट के बाद पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की तेज हुई मांग- अब या करेगी मोदी सरकार ?

राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा और कांग्रेस में अनगिनत मुद्दों पर मतभेद हैं लेकिन जब भी बात पश्चिम बंगाल की आती है तो दोनों पार्टियों के स्थानीय नेता एक ही सुर में बोलते हुए नजर आते हैं। पश्चिम बंगाल में नेता चाहे कांग्रेस पार्टी के हो या फिर भारतीय जनता पार्टी के, दोनों ही एक ही सुर में राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते रहते हैं। पश्चिम बंगाल में दोनों ही दलों के स्थानीय नेताओं का यही आरोप रहता है कि राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और ममता बनर्जी सही तरीके से सरकार चला नहीं पा रही है। बीजेपी की केंद्र में सरकार होने के बावजूद राज्य भाजपा के नेता लगातार पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति ध्वस्त होने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करते रहते हैं। बीजेपी के पश्चिम बंगाल प्रदेश के नेता पिछले कुछ वर्षों के दौरान, कई बार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर चुके हैं।

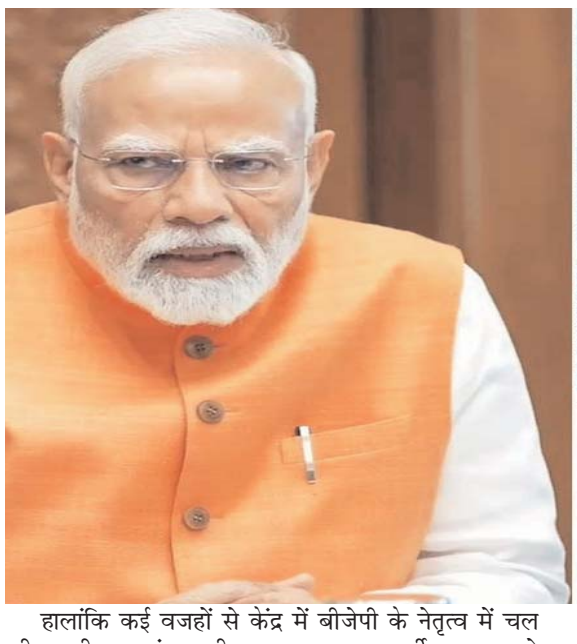

हालांकि कई वजहों से केंद्र में बीजेपी के नेतृत्व में चल रही एनडीए गठबंधन की सरकार ममता बनर्जी सरकार को बर्खास्त कर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने से बचती रही है। दरअसल, बीजेपी को सबसे बड़ा डर यह सताता रहता है कि

अगर उनकी केंद्र सरकार ने ममता बनर्जी सरकार को बर्खास्त कर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगा दिया तो विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की फिर से जीत सुनिश्चित हो जाएगी।

यही वजह है कि राज्य की सरकार पर हिंसा करवाने, बीजेपी नेताओं पर हमला करवाने, विरोधी नेताओं पर हमला करवाने, हिंदुओं पर हमला करवाने और कट्टरपंथी ताकतों को बढ़ावा देने जैसे गंभीर आरोप लगाने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य में राष्ट्रपति शासन नहीं लगाना चाहते हैं।

लेकिन पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस की एक रिपोर्ट ने केंद्र सरकार की दुविधा को बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राज्यपाल ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में प्रदर्शन के दौरान मुर्शिदाबाद इलाके में हुई हिंसा की रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंपी गई रिपोर्ट में राज्यपाल ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि %कट्टरपंथ और उग्रवाद की दोहरी% समस्या राज्य के लिए गंभीर चुनौती बन गई है। रिपोर्ट में बांग्लादेश के साथ लगते पश्चिम बंगाल के दो जिलों- मुर्शिदाबाद और मालदा में हालात भयावह तौर पर खराब होने का जिक्र किया गया है।

अपनी रिपोर्ट में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राज्य की ममता बनर्जी सरकार और पश्चिम बंगाल की पुलिस पर भी सवाल उठाते हुए हिंसा की पूरी जांच के लिए एक जांच आयोग का गठन, बांग्लादेश की सीमा से लगे जिलों में केंद्रीय बलों की चौकियां स्थापित करने जैसे कई अहम सुझाव दिए हैं। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने अपनी रिपोर्ट में राष्ट्रपति शासन की तरफ इशारा करते हुए यह कह कर सनसनी फैला दी है कि,हालात बिगड़ने पर संविधान के अनुच्छेद- 356 के तहत प्रावधान भी विकल्प बने रहेंगे। अनुच्छेद-356 यानी राष्ट्रपति शासन।

राज्यपाल ने सीधे तौर पर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश तो नहीं की है लेकिन यह जरूर लिख दिया है कि अगर राज्य में स्थिति और ज्यादा बिगड़ती है तो केंद्र संविधान के अनुच्छेद-356 के प्रावधानों को लागू करने पर विचार कर सकती है।

पश्चिम बंगाल में वर्ष 2026 यानी अगले साल विधानसभा का चुनाव होना है। बीजेपी जोर-शोर से चुनाव की तैयारियों में जुटी हई है। पार्टी आलाकमान का यह दावा है कि इस बार बीजेपी राज्य में सरकार बनाने जा रही है। लेकिन इससे पहले ही राज्यपाल की इस रिपोर्ट ने पार्टी के आला नेताओं की दुविधा को बढ़ा दिया है। केंद्र सरकार को चलाने वाले नेता अब तक अपने ही नेताओं की पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग को खारिज करते रहे हैं लेकिन राज्यपाल की इस रिपोर्ट के बाद अब ममता बनर्जी सरकार को बर्खास्त करने की मांग को इतनी आसानी से नकारा नहीं जा सकता।

इस मामले में एक तरफ पश्चिम बंगाल बीजेपी के तमाम नेता और कार्यकर्ता हैं जो हर हाल में विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में राष्ट्रपति शासन लगे देखना चाहते हैं तो दूसरी तरफ बीजेपी की केंद्र सरकार है जिसका यह मानना है कि राष्ट्रपति शासन लगा तो ममता बनर्जी के पक्ष में मुस्लिमों के साथ-साथ उनके कैडर हिंदू वोटरों का भी ध्रुवीकरण होगा। ऐसे में क्या केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार कोई बीच का रास्ता निकाल पाती है या नहीं, इसके लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा।

नागरिक सुरक्षा को लेकर बेपरवाह सरकारें और न्यायपालिका

भारतीय संविधान ने नागरिकों के मौलिक अधिकारों को संविधान से संरक्षित किया है। प्रतीक नागरिक के जीवन की स्वतंत्रता उसकी संपत्ति और अभिव्यक्ति और धार्मिक स्वतंत्रता नागरिकों के मौलिक अधिकारों में शामिल है। पिछले कई वर्षों से नागरिक स्वतंत्रता खतरे में पड़ गई है। पिछले कुछ वर्षों में भीड़ तंत्र जिस तरह का उत्पात मचा रहा है। उसमें नागरिकों की केवल स्वतंत्रता ही खत्म नहीं हो रही है। उनका जीवन भी खतरे में पड़ गया है। उसकी सुरक्षा करने की जो जिम्मेदारी पुलिस और न्यायपालिका की थी वह भी निष्क्रिय होकर तमाशा देख रही है, जिसके कारण अब लोगों को अपने जीवन के साथ संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्मादी भीड़ के सामने निरीह नागरिक ना तो अपनी संपत्ति की सुरक्षा कर पा रहा है ना ही अपनी जान को बचा पा रहा है। पुलिस खड़े होकर तमाशा देखती रहती है। जिला प्रशासन और न्यायपालिका ने भी चुप्पी साध कर रखी हुई है। पीड़ित व्यक्ति जब अपनी गुहार लगाने के लिए थाने और न्यायालय की शरण में जाता है। जब वहां पर भी उसे कोई राहत नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में लोग पलायन करके अपनी जान बचाते हुए यहां से वहां भागते हुए दिख रहे हैं। भारतीय संविधान ने नागरिकों के जो अधिकार सर्वोच्चता के साथ रखे थे कार्यपालिका और विधायिका को संविधान में पाबंद किया था कि वह नागरिक सर्वोच्चता को बनाए रखेगी ऐसा कोई भी कानून और नियम नहीं बन सकेगी जो नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन करते हों संविधान ने न्यायपालिका को यह जिम्मेदारी दी थी। नागरिकों के मौलिक अधिकारों का यदि कहीं हनन होता है, तो उसे सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी न्यायपालिका की है। लेकिन पिछले एक दशक से न्यायपालिका जिस तरह से सरकार के दबाव में काम करती हुई दिख रही है। उसके कारण स्थिति अब बहुत खराब हो गई है। भीड़ किसी भी सामान्य नागरिक की जान ले लेती है। उसका धंधा उजाड़ देती है। संगठित भीड़ किस तरह से हिंसा कर रही है। वह सभी को आश्चर्य में डाल रही है। इस हिंसा के कारण लोग विरोध करने के स्थान पर अपने आप को बचाने के लिए अपने ही स्तर पर जो कर सकते हैं, करने की कोशिश करते हैं। कुछ लोग अपनी जान और धंधे पानी को बचा लेते हैं और कुछ सब कुछ गवाँ देते हैं पिछले एक दशक से भारत में यही देखने को मिल रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार 2019 में सांप्रदायिक दंगों के 2322 मामले दर्ज किए गए इसमें 1257 लोगों की मौत हो गई। 2000 से अधिक लोग घायल हुए 10000 से अधिक हिंसक सार्वजनिक घटनाएं हुई। जिसमें बड़े पैमाने पर आगजनी हमले और व्यवसायों को नष्ट किया गया। मणिपुर की घटना सबके सामने है 2020 के बाद से सांप्रदायिक अशांति बड़ी तेजी के साथ फैलती जा रही है। 2020 में नागरिक संशोधन अधिनियम को लेकर देशभर में भारी प्रदर्शन हुए देश की राजधानी दिल्ली में हुए दंगे में सेकंड लोग मारे गए सैकड़ो लोग घायल हुए।

दक्षिण के राज्य कर्नाटक के बेंगलुरु में भी एक बड़ी भीड़ ने पुलिस स्टेशनों पर हमला कर दिया वाहनों में आग लगा दी। पश्चिम बंगाल में पिछले कई वर्षों से लगातार सांप्रदायिक हिंसा को बढ़ाया जा रहा है।

युद्ध हुआ तो पश्चिमी और चीनी हथियारों की क्षमताओं की भी परख हो जायेगी

भारत और पाकिस्तान के बीच मंडराते युद्ध के खतरे को लेकर कई पूर्व सैन्य अधिकारी और विशेषज्ञ अपनी अपनी तरह से चिंताएं व्यक्त कर रहे हैं। दरअसल 2019 में पाकिस्तान के बालाकोट में भारतीय वायुसेना की एअर स्ट्राइक के बाद से दोनों देशों ने अपनी सैन्य क्षमता में काफी वृद्धि की है। इसलिए विशेषज्ञों को लग रहा है कि कोई सीमित संघर्ष भी व्यापक युद्ध में तब्दील हो सकता है। हम आपको याद दिला दें कि दोनों देश 1948, 1965 और 1971 में युद्ध लड़ चुके हैं। इसके अलावा कश्मीर को लेकर दोनों के बीच कई बार सैन्य और असैन्य टकराव भी हो चुके हैं। 1990 के दशक में दोनों देश परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र बन गए थे और तभी से दक्षिण एशिया दुनिया के सबसे खतरनाक क्षेत्रों में से एक माना जाता है।

पाकिस्तान लगातार भारत को परमाणु बम से हमले की धमकी दे रहा है लेकिन सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक अत्यधिक मजबूरी नहीं हो, तब तक कोई भी देश परमाणु हथियार का उपयोग नहीं करता लेकिन इसका खतरा अवश्य बना रहता है। सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि इस बार हमला संभवतः विमानों, मिसाइलों या ड्रोन के ज़रिये होगा, जिनमें भारत और पाकिस्तान की क्षमताएं काफी हद तक बराबर हैं। विश्लेषकों का यह भी कहना है कि यदि संघर्ष लंबा चलता है तो यह भारत के हित में होगा क्योंकि संसाधन अधिक होने के कारण वह लंबी अवधि तक इनका उपयोग कर पायेगा। विश्लेषकों का यह भी कहना है कि हर पक्ष सोच रहा है कि वे पिछली बार की तुलना में बेहतर स्थिति में हैं लेकिन असल जंग में ही असली स्थिति पता चल सकेगी।

हम आपको बता दें कि भारत को 2019 में पुराने रूसी विमानों पर निर्भर रहना पड़ा था। मगर अब देश ने फ्रांस से 36 राफेल फाइटर जेट्स वायुसेना के बेड़े में शामिल किए हैं तथा नौसेना के लिए और भी विमानों का ऑर्डर दिया गया है। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 2022 से चीन के सबसे आधुनिक लड़ाकू विमानों में से एक, टीबी-10 प्राप्त किया है, जो राफेल का तुलनात्मक समकक्ष माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक अध्ययन संस्थान की एक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के पास कम से कम 20 टीबी -10 विमान हैं। बताया जाता है कि ये विमान उन्नत क्षमताओं से लैस हैं। हम आपको बता दें कि राफेल में मेटेओर एयर-टू-एयर मिसाइल लगी होती है, जो दृश्य सीमा से बाहर भी मार कर सकती है। इसी प्रकार छ-10 में इसी तरह की पीएल-15 मिसाइल लगी होने की बात मीडिया रिपोर्टों के माध्यम से सामने आई है। हम आपको यह भी बता दें कि 2019 की लड़ाई में सामने आई हवाई सुरक्षा की खामियों को दूर करने के लिए भारत ने रूस की स-400 मोबाइल एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल प्रणाली प्राप्त की है जबकि पाकिस्तान ने चीन से ।क्त-9 प्रणाली हासिल की है जोकि रूस की स-300 प्रणाली पर आधारित है।

विश्लेषकों का यह भी कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले किसी भी संघर्ष पर चीन का प्रभाव बना रहेगा, जो भारत का प्रतिद्वंद्वी और पाकिस्तान का करीबी सहयोगी और उसका सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता है। इसके अलावा, भले अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान दोनों से तनाव कम करने का आग्रह किया है, लेकिन वह दोनों देशों के बीच किसी भी संघर्ष को चीन की सैन्य क्षमता की जांच के रूप में देखना चाह रहा है। अमेरिका ऐसा इसलिए चाहता है क्योंकि चीनी विमान और उसकी पीएल-15

मिसाइल को अब तक युद्ध में नहीं परखा गया है। इसलिए भले युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ा जायेगा मगर असल में यह पश्चिमी और चीनी तकनीक के बीच मुकाबला हो सकता है। विश्लेषकों का यह भी कहना है कि भारत के लिए एक चुनौती यह भी रहेगी कि वह कितने स्क्वाड्रन पाकिस्तान सीमा पर तैनात करे और कितने चीन सीमा पर, क्योंकि उसे ड्रैगन से भी खतरा है। हम आपको याद दिला दें कि भारत और चीन ने 1962 में युद्ध लड़ा था और 2022 में दोनों देशों की सेनाएं पूर्वी लद्दाख सीमा पर भिड़ी थीं। विश्लेषकों का यह भी अनुमान है कि ड्रोन या ज़मीन से लॉन्च की गई मिसाइल से हमला होने की संभावना ज्यादा है क्योंकि इनमें पायलट के पकड़े जाने का खतरा नहीं होता। जहां तक दोनों देशों की मिसाइल और सैन्य ड्रोन क्षमता में ताजा वृद्धि की बात है तो आपको बता दें कि भारत ने इजराइल से लड़ाकू ड्रोन हेरोन मार्क 2 प्राप्त किया है और अमेरिका से प्रीडेटर ड्रोन खरीदने का ऑर्डर दिया है। दूसरी ओर पाकिस्तान ने तुर्की से बायरेक्टर और अकिंजी ड्रोन हासिल किए हैं, जो रूस-यूक्रेन युद्ध में इस्तेमाल हो चुके हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान ने शनिवार को 450 किमी की दूरी तक मारक क्षमता और सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। पाकिस्तान ने आज 'एक्स इंद्र' अभ्यास के तहत 120 किलोमीटर रेंज की सतह से सतह पर मार करने वाली %फतह% सीरीज़ की मिसाइल का सफल प्रशिक्षण प्रक्षेपण करने का भी दावा किया है। वहीं भारत की क्षमताओं में 300 किमी रेंज वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल और लंबी दूरी की अग्नि श्रृंखला की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं।

बहरहाल, हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 की झड़प के बाद कहा था कि देश को उस समय राफेल की कमी खली थी। उन्होंने संकेत दिया था कि अगर फ्रांसीसी फाइटर होते तो नतीजा और अलग हो सकता था। इसलिए माना जा सकता है कि इस बार कमाल दिखाने का अवसर राफेल को दिया जा सकता है। कांग्रेस के नेता बार-बार राफेल पर सवाल उठाते हुए पूछ रहे हैं कि उस पर से नींबू मिर्ची कब हटेगी? माना जा रहा है कि राफेल की युद्धक क्षमता दिखा कर पाकिस्तान के साथ-साथ कांग्रेस को भी जवाब देने की तैयारी है। हम आपको याद दिला दें कि कांग्रेस ने 2019 के लोकसभा चुनावों में राफेल खरीद में भ्रष्टाचार के आरोप लगा कर मोदी सरकार को घेरना चाहा था लेकिन उसमें उसे सफलता नहीं मिली थी। बहरहाल, आइये देखते हैं दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव के परिणामों के बारे में जम्मू कश्मीर पुलिस के पूर्व डीजीपी एसपी वैध क्या अनुमान लगा रहे हैं।

कोटाडोल में समाधान शिविर हुआ सम्पन्न, प्रशासन और ग्रामीणों से किया गया सशक्त संवाद

समाधान शिविर मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच का परिणाम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम कोटाडोल में विशेष समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जिसने अपने आयोजन स्थल की सादगी और आत्मीयता से सभी का ध्यान आकर्षित किया। यह शिविर गांव के पुराने आम और महुआ के पेड़ों की शीतल छांव में आयोजित किया गया, जिसने न केवल ग्रामीण परिवेश की गरिमा को बढ़ाया बल्कि इसे एक पारंपरिक और संवेदनशील रूप भी प्रदान किया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें अधिकारियों ने ग्रामीणों को उनकी पात्रता, लाभ और आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष स्टॉल लगाया गया, जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण और जांच की व्यवस्था की गई थी। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने इन सुविधाओं का लाभ उठाया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि ग्रामीण समाज में जागरूकता और सुविधा दोनों की आवश्यकता को यह शिविर पूरा कर रहा है। 'समाधान तिहार' के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोटाडोल सहित खमरौद, खिरकी, कमर्जीखोह, नेउर, नौगई, मसर्रा, मुर्किल, बडगांवखुर्द, ठिसकौली, देवसिंल और कटवार जैसे अनेक गांवों से प्राप्त आवेदनों पर की गई कार्रवाई की जानकारी शिविर में साझा की गई। हितग्राहियों और आवेदकों को यह स्पष्ट रूप से बताया गया कि उनकी समस्याओं पर क्या निर्णय लिया गया है और आगे की प्रक्रिया क्या होगी। यह पारदर्शिता प्रशासन के प्रति ग्रामीणों के विश्वास को और अधिक मजबूत करती है। भरतपुर ब्लॉक के कोटाडोल ग्राम में आयोजित समाधान शिविर में जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम की अध्यक्षता में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा और हितग्राहियों से सीधा संवाद हुआ। इस अवसर पर उन्होंने

कहा कि कोटाडोल जैसे दूरस्थ क्षेत्र में शिविर का आयोजन इसलिए किया गया है ताकि शासन की योजनाएं सीधे आमजन तक पहुंचे और हर व्यक्ति को उसका हक मिल सके। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 3019 लाभार्थियों को पहली किस्त वितरित की जा चुकी है और शौचालय निर्माण के लिए भी स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे इस राशि का उपयोग ईमानदारी से करें, किसी ठेकेदार के भरोसे न रहें, बल्कि स्वयं निर्माण कार्य करें। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशों का हवाला देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने ग्रामीणों से ग्राम सभा में भाग लेने की अपील की, क्योंकि वहीं पर पात्रता की सूची तय होती है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्तमान में सर्वेक्षण जारी है और पात्र-अपात्र की सूची ग्राम सभा के माध्यम से सुनिश्चित की जाएगी। कोटाडोल क्षेत्र की सड़क और शिक्षा संबंधी मांगों को भी स्वीकृति दी गई है, जिन पर अगले कुछ महीनों में कार्य आरंभ होगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि 15 दिनों के भीतर समाधान शिविर में प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर दिया जाएगा।

समाधान शिविर में उपस्थिति दर्ज कराते हुए उपेक्षा हीरा लाल मौर्या ने कहा कि सरकार लगातार जनहितकारी योजनाएं बना रही है और उन्हें धरातल पर लाने का प्रयास कर रही है। जिला जनसंपर्क अधिकारी की उपस्थिति में लोगों को योजनाओं की जानकारी दी गई और उनकी समस्याएं सुनी गईं। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में भी ग्रामीणों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं। सभी विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद थे और उन्होंने योजनाओं से संबंधित जानकारी प्रदान की। वहीं जिला पंचायत सदस्य सुखवंती सिंह ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन का आभार जताते हुए कहा कि समाधान शिविर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसमें हर विभाग की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने अधिकारों को समझें और योजनाओं का लाभ उठाएं। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर वे स्वयं भी संपर्क कर सकती हैं और हर समय आमजन के साथ खड़ी रहेंगी। इस शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत भरतपुर क्षेत्र से 333 आवासों की मांग दर्ज की गई है, जिन्हें आवास प्लस 2.0 के तहत लिया गया है। इन मामलों को उच्च न्यायालय में मार्गदर्शन हेतु भेजा गया है और आदेश मिलते ही सभी प्रकरणों का समाधान किया जाएगा। वहीं, तीन शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनकी जांच कर कार्रवाई की जा रही है। मोहन यादव और बदन यादव के आधार विवरण में अंतर के कारण उनके भुगतान में अड़चन आई थी, जिसे अब सुधार लिया गया है, लेकिन राशि अब तक प्राप्त नहीं हो सकी है। बैजनाथ जी का पंजीयन से पूर्व ही निधन हो गया था और नामिनी दर्ज न होने के कारण उनका मामला आपत्ति सहित निरस्त कर दिया गया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत अकुशल श्रमिकों को 261 रुपये की दैनिक मजदूरी दी जा रही है, जिसमें 100 दिनों की गारंटी के साथ 50 अतिरिक्त दिन का रोजगार भी शामिल है। योजना के तहत जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और संसाधन प्रबंधन जैसे कार्य किए जा रहे हैं। सामुदायिक और व्यक्तिगत विकास हेतु मुर्गी पालन, बकरी पालन जैसे कार्यों में भी सहायता दी जा रही है। ग्राम पंचायतों को सड़क, भवन, आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण आदि में भी मनरेगा से सहयोग प्राप्त हो रहा है। संगम अभियान के अंतर्गत समग्र ग्राम विकास की योजना बनाई जा रही है, जिसमें कृषि, जल संसाधन, पशुपालन और मनरेगा जैसे विभागों का समन्वय होगा। अभी तक 483 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनकी मांगों को सीमित बजट के अनुसार पूरा किया जाएगा।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों द्वारा आवेदन दिए गए हैं, जिनमें कुल 91 व्यक्तियों के आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन आवेदनों की जांच जिला पंचायत स्तर पर की जा रही है। इसी योजना के तहत 317 व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है और कुलदीप, कुंवर बहादुर, कारण सिंह, भारत लाल और गुड्डू यादव को भौतिक स्वीकृति भी प्रदान की गई है। क्रेड़ा विभाग द्वारा सौर ऊर्जा के प्रचार-प्रसार के लिए समाधान शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में काम किया जा रहा है। चौक-चौराहों पर सोलर हाईमास्ट लाइट लगाने के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। सत्यवती बाई, मोतीलाल जी, संतोष कुमार सहित कई ग्रामीणों ने अपने घरों में सोलर लाइट की मांग रखी है, जिनके प्रस्ताव शासन को भेजे जा चुके हैं और स्वीकृति मिलते ही कार्यवाही की जाएगी। पंचायत भवन में सोलर लाइट लगाने हेतु भी प्रस्ताव भेजा गया है। भरतपुर ग्राम का सोलर प्लांट बैटरी बैंक की खराबी के कारण बंद है, जिसे चालू करने के लिए नया प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है।

वन अधिकार पत्र के लिए ट्राइबल विभाग द्वारा आवेदन लिए जा रहे हैं, जिन्हें आगामी ग्राम सभा में प्रस्तुत किया जाएगा और पंचनामों के आधार पर पात्र व्यक्तियों को अगले दो-तीन महीनों में वन अधिकार पत्र वितरित किए जाएंगे। समाधान शिविर में ग्रामीणों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपनी समस्याएं साझा कीं। जिला प्रशासन ने सभी सुझावों और मांगों को गंभीरता से लिया है और यह विश्वास दिलाया है कि शासन की योजनाओं का लाभ पारदर्शिता और ईमानदारी से हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। इस समाधान शिविर के अवसर पर जिला पंचायत सदस्य सुखवंती सिंह, श्रीमती बेला कुंवर आयाम जिला पंचायत सदस्य, हीरालाल मौर्य उपाध्यक्ष जनपद पंचायत भरतपुर, श्रीमती कविता यादव जनपद सदस्य, श्रीमती सविता सिंह जनपद सदस्य, मनोज गुप्ता मंडल अध्यक्ष कोटाडोल, नरेश यादव मंडल अध्यक्ष जनकपुर, प्रदीप सिंह मंडल अध्यक्ष कुवांरपुर के साथ कोटाडोल, मुर्किल, कमर्जी, देवसिल, कटवार, ख़मरौध, ठिसकोली के सरपंच के साथ कोटाडोल उपसरपंच राजाराम के अलावा हीरालाल यादव, एसडीएम भरतपुर और सहायक विस्तार अधिकारी के साथ ग्रामीण जन उपस्थित थे।

रवि गुप्ता मनेन्द्रगढ़ में विधायक प्रतिनिधि नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत समस्त प्रशासनिक कार्यों के सुचारु संचालन हेतु क्षेत्र की विधायक महोदया रेणुका सिंह द्वारा श्री रवि कुमार गुप्ता, पिता श्री पिताम्बर प्रसाद गुप्ता, निवासी ग्राम केल्हारी, मोबाइल नंबर 7999526443 को उनका विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। विधायक महोदया की अनुपस्थिति में श्री रवि कुमार गुप्ता विभिन्न बैठकों एवं आयोजनों में उनकी ओर से प्रतिनिधित्व करेंगे। इस संबंध में समस्त विभाग प्रमुखों को सूचनार्थ अवगत कराया गया है ताकि प्रशासनिक समन्वय एवं कार्यक्रमों का संचालन निर्विघ्न रूप से किया जा सके।

मनेन्द्रगढ़ जनपद में पंचायत सचिवों की हुई नई पदस्थापना

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं, निर्माण एवं विकास कार्यों के सफल क्रियान्वयन हेतु पंचायत सचिवों का अस्थायी रूप से नवीन स्थानों पर स्थानांतरण किया गया है। यह निर्णय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मंत्रालय रायपुर द्वारा जारी मार्गदर्शिका की कंडिका 8 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लिया गया है। जारी आदेश के अनुसार श्री पीक्कू राम को ग्राम पंचायत नागपुर से स्थानांतरित कर ग्राम पंचायत सोनवर्षा में पदस्थ किया गया है, वहीं श्री भगवान सिंह को ग्राम पंचायत कठौतिया से स्थानांतरित कर ग्राम पंचायत नागपुर में पदस्थ किया गया है, इसके साथ ही श्री भूपेन्द्र सिंह को ग्राम पंचायत बेलबहरा के साथ ग्राम पंचायत कठौतिया का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है तथा श्री राम सिंह को जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ से स्थानांतरित कर ग्राम पंचायत बरबसपुर में पदस्थ किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा ।

शासकीय निर्देशों की अवहेलना पर कड़ी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला पंचायत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंकिता सोम द्वारा जारी एक महत्त्वपूर्ण आदेश के तहत ग्राम पंचायत सोनवर्षा के सचिव श्री भूनेश्वर सिंह पैकरा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई पंचायत प्रशासन में अनुशासनहीनता और स्पष्ट निर्देशों की अवहेलना के चलते की गई है। आदेश के अनुसार, पूर्व में ग्राम पंचायत कठौतिया के सचिव श्री भगवान सिंह को अर्जित अवकाश पर जाने के कारण श्री भूनेश्वर सिंह पैकरा को ग्राम पंचायत कठौतिया का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। साथ ही यह स्पष्ट निर्देश भी दिए गए थे कि श्री भगवान सिंह के अवकाश समाप्ति के उपरांत वे पुनः अपने मूल पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे । वहीं 28 जून 2024 को श्री भगवान सिंह के अवकाश से लौटने के पश्चात भी श्री भूनेश्वर सिंह पैकरा द्वारा उन्हें ग्राम पंचायत कठौतिया का प्रभार नहीं सौंपा गया।

यह कार्य छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (आचरण) नियम 1998 के नियम 3, छत्तीसगढ़ ग्राम पंचायत (सचिव की शक्तियाँ एवं कृत्य) नियम 1999 के नियम 4 तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन माना गया है। इस अनुशासनहीनता को गंभीरता से लेते हुए, छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999 के अंतर्गत श्री भूनेश्वर सिंह पैकरा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय जिला पंचायत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर निर्धारित किया गया है तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। यह आदेश तत्काल प्रभावशील रहेगा।

कलेक्टर ने विभागों को त्वरित निराकरण करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीण जन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। आज की जनदर्शन में कुल 24 आवेदन प्राप्त हुए। इस जनदर्शन में आवेदक सुरेन्द्र कुमार ललवानी निवासी मनेंद्रगढ़ भूमि बिक्री की अनुमति दिये जाने के संबंध में, धनसाय निवासी ग्राम मनवारी ग्राम मनवारी स्थित भूमि खसरा नंबर 323 रकबा 0.24 हेव भूमि पर नसरूद्दिन के द्वारा फर्जी तरीके से कब्जा कर लेने के संबंध में, शिवनारायण सिंह गोड़ निवासी चनवारीडांड आदिवासी की भूमि को गैर-आदिवासी के नाम पर छलकपट द्वारा दर्ज होने की जाँच के संबंध में, समस्त वार्डवासी निवासी चैनपुर सी सी रोड बनाये जाने के संबंध में, पंचायत सिरौंली फौती नामांतरण कराये जाने के संबंध में, पीएम आवास निर्माण स्थल का बी1, नक्शा, खसरा हितग्राही से संलग्न कराये जाने के संबंध में, महिपाल सिंह गोंड निवासी पाराडोल वन भूमि पट्टा दिलाये जाने के संबंध में, श्रीमती स्वीटी गुप्ता निवासी मनेंद्रगढ़ आर्बटित प्लाट का सीमांकन कराये जाने के संबंध में, श्रीमती प्रियंका साहू निवासी नागपुर राजस्व निरीक्षक श्री राम सिंह, पटवारी रमेश सिंह, सविता शर्मा लिपिक सहायक ग्रेड-02 के स्थानांतरण के संबंध में, शहबाज कामिल निवासी मनेंद्रगढ़ स्थित भूमि खसरा नंबर 379 में लगे स्थगन आदेश का निराकरण किये जाने के संबंध में, परमसुखी बैगा निवासी घटई सीमांकन करने के संबंध में, सुरश कुशवाहा निवासी घटई भूमि ऑनलाईन नक्शे में त्रुटि सुधार के संबंध में, धनराज निवासी लालपुर भूमि सीमांकन करने के संबंध में, दशमतिया निवासी सेमरा वन अधिकार पट्टा दिलाये जाने के संबंध में, कल्याण सिंह निवासी बुंदेली भूमि का नाप कराये जाने के संबंध में, समस्त ग्रामवासी निवासी चनवारीडांड जल आपूर्ति कराये जाने के संबंध में, अक्रांत पाण्डेय निवासी नई लेदरी आधार सेवा केंद्र को घर जाकर आधार कार्ड में मोबाइल नम्बर लिंक हेतु आदेशित करने के संबंध में, मोहन निवासी उजियारपुर पीएम आवास योजना में नामिनी चढ़ाने के संबंध में, ददन बैगा एवं समस्त प्रार्थिगण निवासी नौढिया अवैध पट्टा जारी होने।

बोर्ड परीक्षा में मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को किया जाएगा सम्मानित - कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरण तत्परता से निराकृत करें। इसमें 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण कराएं। संभाग के सभी जिलों में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण के कार्य किए जा रहे हैं। सभी विभागों के अधिकारी जल संवर्धन और संरक्षण कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं। धरती पर मानव सहित सभी जीवों और वनस्पतियों का जीवन सुरक्षित रखने के लिए जल संरक्षण आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है। सभी पक्के भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाएं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहरी क्षेत्र के सभी वार्डों तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत में जल रैली निकालकर आमजनता को जल संरक्षण से जोड़ें।

कमिश्नर ने कहा कि आज माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 12वीं और 10वीं के परीक्षा परिणाम घोषित हुए हैं। इनमें रीवा संभाग का प्रदर्शन शानदार रहा है। प्रदेश स्तरीय मेरिट सूची में संभाग के 66 विद्यार्थियों ने स्थान बनाया है। सिंगरौली की छात्रा प्रज्ञा जायसवाल ने कक्षा 10वीं में 500 में से 500 अंक प्राप्त करके प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणामों में भी अपेक्षा के अनुरूप वृद्धि हुई है। मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले संभाग के सभी विद्यार्थियों को शीघ्र ही सम्मानित किया जाएगा। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए अभियान प्रखर के तहत शिक्षकों के प्रशिक्षण सभी जिलों में शुरू कराएं। कमिश्नर ने कहा कि पेंशन प्रकरणों के निराकरण में तेजी आई है। अभी दिसम्बर माह के 22, मार्च के 16 तथा अप्रैल में सेवानिवृत्त होने वाले 32 कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण लंबित हैं। इनका सात दिवस में निराकरण करें। संभागीय समीक्षा बैठक के एजेण्डा बिन्दु पर कार्यवाही विवरण भी दो दिवस में अपडेट करा दें।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि खराब हैण्डपंपों के सुधार का अभियान चलाएं। संभागीय बैठक में 9 मई को पीएचई विभाग एवं जल जीवन मिशन के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। नगरीय निकायों में भी पेयजल की आपूर्ति की समुचित व्यवस्था करें। संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन मऊगंज नगर में पेयजल की आपूर्ति के लिए जल संसाधन विभाग से समन्वय बनाकर पानी की व्यवस्था करें। संयुक्त संचालक उच्च शिक्षा तथा संभागीय प्रबंधक पीआईयू सतना जिले के रामपुर बघेलान, उंचेहरा एवं रामनगर में सीएम राइज स्कूलों का निर्माण तत्काल शुरू कराएं। संभागीय यंत्री लोक निर्माण विभाग रीवा में रेलवे ओवर ब्रिज एवं रेलवे स्टेशन रोड पर संकेतक तथा स्पीड ब्रोकर की व्यवस्था करें। बैठक में कमिश्नर ने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, पेंशन के वितरण, बिजली लाइनों के वर्षा के पूर्व मेंटीनेंस, पशुओं के टीकाकरण तथा सभी स्कूलों में विद्युत कनेक्शन के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ एमएल गुप्ता, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा आरपी सिंह, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, मुख्य यंत्री ऊर्जा आईके त्रिपाठी तथा सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जन सुनवाई में 61 आवेदनों में हुई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में साप्ताहिक जन सुनवाई का आयोजन किया गया। जन सुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर तथा संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय ने आमजनता के 61 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी सात दिन की समय सीमा में लंबित आवेदनों का निराकरण करके इसका प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। आवेदन पत्र में की गई कार्यवाही से आवेदक को भी अवगत कराएं। जन सुनवाई में रामप्रकाश निवासी ग्राम मगुरिहाई ने जमीन से अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। एसडीएम हुजूर को प्रकरण में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। सत्येन्द्र प्रसाद विश्वकर्मा निवासी ग्राम मढ़ी खुर्द ने उनके पिता श्री अजय विश्वकर्मा सैनिक 119वीं रेजिमेंट के 11 अप्रैल 2025 को शहीद होने पर अनुग्रह राशि तथा अन्य सुविधाओं का लाभ देने के लिए आवेदन दिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को आवेदन में तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। जन सुनवाई में विश्वजीत पाण्डेय निवासी ग्राम बैसा ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। ओम तिवारी निवासी ग्राम मैदानी जिला रीवा ने उनके पिता स्वर्गीय रामदत्त तिवारी की सेवाकाल में मृत्यु हो जाने के कारण अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कलेक्ट्रेट की स्थापना शाखा प्रभारी को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। जन सुनवाई में उपचार सहायता, मजदूरी भुगतान, जमीन के सीमांकन, जमीन से अवैध कब्जा हटाने सहित विभिन्न आवेदनों में सुनवाई की गई। जन सुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नागपुर पंचायत में हुआ स्वच्छता श्रमदान, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने मिलकर दिया स्वच्छता का संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की ग्राम पंचायत नागपुर में मंगलवार को एक प्रेरणादायक स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री राजेश साहू, जनपद सदस्य श्री शाहनवाज अली, जनपद पंचायत सीईओ श्रीमती वैशाली सिंह सहित पंचायत प्रतिनिधि, एनआरएलएम समूह की महिलाएं, ग्रामीणजन एवं अन्य विभागीय अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत पंचायत भवन से सामूहिक स्वच्छता संकल्प के साथ हुई। इसके उपरांत ग्राम तालाब, चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई की गई।

इस दौरान अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने खुद अपने हाथों में झाड़ू लेकर कचरा हटाया और लोगों को स्वच्छता का महत्त्व समझाया। वहीं जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री राजेश साहू ने कहा कि "स्वच्छता केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। जब जनप्रतिनिधि और अधिकारी स्वयं श्रमदान करते हैं, तो समाज में प्रेरणा की लहर दौड़ती है। "उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे नियमित सफाई करें और खुले में शौच न करने की आदत डालें। जनपद पंचायत की सीईओ श्रीमती वैशाली सिंह ने कहा कि "स्वच्छता को जन आंदोलन के रूप में जिले में आगे बढ़ाया जा रहा है। एनआरएलएम समूह की महिलाएं गांव-गांव जाकर स्वच्छता जागरूकता फैला रही हैं। नागपुर पंचायत का यह श्रमदान कार्यक्रम प्रशासन और समाज के सामूहिक प्रयासों का अनुकरणीय उदाहरण है। इस कार्यक्रम में सरपंच, सचिव, तकनीकी सहायक एवं अन्य पंचायत कर्मचारी भी सक्रिय रूप से शामिल हुए। एनआरएलएम समूह की महिलाओं ने श्रमदान के साथ-साथ नारे लगाकर स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाई। समापन के अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से स्वच्छता की शपथ ली-जिसमें उन्होंने अपने घर-आंगन व सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने, दूसरों को भी प्रेरित करने और नियमित श्रमदान करने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना संबंधी बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत वर्ष 2023-24 में चयनित ग्रामों की कार्ययोजना के अनुमोदन संबंधी जिला स्तरीय पीएमएजीवाई अभिशरण समिति की बैठक 7 मई को टीएल बैठक के बाद दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित की गई है। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल करेंगी। जिला संयोजक आदिमजाति कल्याण विभाग ने समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थिति का अनुरोध किया है।

पाकिस्तान से तनाव के बीच आज 244 जगह मॉक ड्रिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान से तनाव के बीच बुधवार (7 मई) को देश के 244 इलाकों में युद्ध के दौरान बचाव के तरीकों की मॉक ड्रिल होगी। गृह मंत्रालय ने इन इलाकों को सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट के तौर पर लिस्ट किया है। ये सामान्य प्रशासनिक जिलों से अलग हैं। सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट्स को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया है। कैटगरी-1 सबसे संवेदनशील और कैटेगरी-3 कम सेंसेटिव है। गृह मंत्रालय ने 5 मई को सभी राज्यों को मॉक ड्रिल कराने के आदेश जारी किए थे। दिल्ली में गृह मंत्रालय में आज हुई हाईलेवल मीटिंग में मॉक ड्रिल की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसमें राज्यों के मुख्य सचिव और सिविल डिफेंस चीफ समेत कई हाई रैंक ऑफिसर मौजूद थे।

जातिगत जनगणना पर मल्लिकार्जुन खड़गे की मोदी को चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 30 अप्रैल को जाति जनगणना कराने की घोषणा की थी। ऐसे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख जाति जनगणना की मांग को दोहराया। उन्होंने सर्वे करवाने के लिए तीन सुझाव भी दिए हैं। अपने पत्र में, खड़गे ने 16 अप्रैल 2023 में उनके पहले के पत्रों का जवाब नहीं देने के लिए सरकार की आलोचना की। खड़गे ने कहा- मुझे उस पत्र का कोई जवाब नहीं मिला। उसके बाद, आज, आप खुद स्वीकार कर रहे हैं कि यह मांग सामाजिक हित में है। खड़गे ने पीएम मोदी को सभी राजनीतिक पार्टियों से बात करने की भी सलाह दी। खड़गे ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र किया। कांग्रेस पार्टी के नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए खड़गे की मांग का समर्थन किया है। जयराम रमेश ने बताया की 2 मई को सीडब्लयूसी की बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी को चिट्ठी लिखी।

सुप्रीम कोर्ट का महाराष्ट्र चुनाव आयोग को आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र निकाय चुनाव को लेकर फैसला सुनाया है। कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग को निर्देश दिए हैं कि वह चार सप्ताह के भीतर राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना जारी करे। अदालत ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र चुनाव आयोग चार महीने के भीतर निकाय चुनाव संपन्न कराने का प्रयास करे। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने अपने आदेश में कहा- हमारे विचार से स्थानीय निकायों के समय-समय पर चुनावों के जरिए लोकतंत्र के संवैधानिक जनादेश का सम्मान किया जाना चाहिए। ओबीसी आरक्षण पर फंसा था पेंच सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव पिछले कई सालों से नहीं हुए हैं। इसका मुख्य कारण ओबीसी आरक्षण से जुड़ी कई लंबित कानूनी प्रक्रियाएं रही हैं। कोर्ट ने इस देरी को लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए सही नहीं माना है और समय पर चुनाव करने के निर्देश दिए।

कोई भी किसान स्लॉट बुकिंग से वंचित नहीं रहे, सभी किसानों का किया जाए गेंहू उपार्जित -मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि गेंहू उपर्जान के लिए कोई भी किसान स्लॉट बुकिंग से वंचित नहीं रहे और बुकिंग वाले सभी किसानों का गेंहू उपार्जित किया जाए।

किसानों को कोई परेशानी न हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। उपार्जन केंद्रों पर किसी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब तक 8 लाख 87 लाख से हजार से अधिक पंजीकृत किसानों से 76.60 लाख मैट्रिक टन गेंहू उपार्जित हुआ

है। किसानों को 5 मई तक 16 हजार 472 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम पिछले वर्ष का रिकार्ड तोड़ते हुए इस वर्ष 81 लाख मैट्रिक टन गेंहू उपार्जन लक्ष्य की ओर अग्रसर हैं। यह प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। इस उपलब्धि के लिए प्रदेशवासियों को अन्नदाताओं पर गर्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रबी उपार्जन अंतर्गत गेहूं उपार्जन की समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा उपस्थित थे।

बैठक में जानकारी दी गई कि वर्ष 2025-26 में 34 लाख 93 हजार एकड़ रकबे में हुए गेंहू उपार्जन के लिए 15 लाख 44 हजार किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया।

प्रदेश में 3 हजार 620 उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए।

सड़क हादसे के घायलों का 1.5 लाख तक कैशलेस इलाज:गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क दुर्घटना में घायल होने वाले लोगों और उनके परिवारजनों के लिए बड़ी राहत का ऐलान हुआ है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को एक अधिसूचना जारी कर देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए 1.5 लाख तक की कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम की घोषणा की है। सड़क परिवहन मंत्रालय की एक गैजेट अधिसूचना के मुताबिक- कोई सड़क हादसा मोटर वाहन की वजह से होता है, तो उसमें घायल व्यक्ति का इलाज कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम के तहत किया जाएगा। पीड़ित के साथ हादसा चाहे किसी भी सड़क पर हुआ हो। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डेढ़ लाख की राशि को बढ़ाकर ?2 लाख रुपए किए जाने की भी तैयारी चल रही है। किसी सड़क

हादसे के बाद का एक घंटा 'गोल्डन ऑवर' कहलाता है। इस दौरान इलाज न मिल पाने से कई मौतें हो जाती हैं। इसी को कम करने के लिए यह योजना शुरू की जा रही है। डेढ़ लाख से ऊपर खर्च पर खुद पैसे देने होंगे अस्पताल को प्राथमिक उपचार के बाद बड़े अस्पताल में रेफर करना है तो उस अस्पताल को तय करना होगा कि जहां रेफर किया जा रहा है। वहां मरीज को दाखिला मिले।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पैसेंजर बस खाई में गिरी, दो लोगों की मौत, 45 घायल

जम्मू-कश्मीर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के घानी मेंढर इलाके में मंगलवार को एक पैसेंजर बस खाई में गिर गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। 45 लोग घायल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को जीएमसी राजौरी रेफर कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, बस मेंढर की ओर जा रही थी तभी खोड़ धारा के पास ड्राइवर ने बस से अपना कंट्रोल खो दिया। खबर लगते ही पुलिस, सेना और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बैटरी चश्मा इलाके में 4 मई को सेना की गाड़ी 600 मीटर गहरी खाई में गिर गई थी। हादसे में 3 जवानों की मौत हो गई थी।

मृतक जवानों की पहचान अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर के रूप में हुई थी। सेना की गाड़ी जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले का हिस्सा थी। करीब साढ़े 11 बजे जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे 44 पर ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया, जिससे गाड़ी खाई में गिर गई।

भारत कल पाकिस्तान बॉर्डर पर हवाई अभ्यास करेगा,खड़गे बोले- पीएम के पास हमले का इनपुट था

नई दिल्ली/पहलगाम (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के बीच एयरफोर्स पाकिस्तान बॉर्डर (स्पष्ट) के पास कल (7 मई) को हवाई अभ्यास करेगा। एयरफोर्स ने इसके लिए नोटिस टू एयरमेन जारी किया।

एनओटीएम जारी करने का मतलब होता है पायलटों और हवाई जहाज से जुड़ी एजेंसियों को कोई जरूरी जानकारी देना, ताकि वे उड़ान भरते समय सतर्क रहें।

वहीं, रांची में मंगलवार

को कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के 3 दिन पहले पीएम मोदी के पास इंटेलिजेंस का इनपुट था। इसलिए उन्होंने अपना कश्मीर दौरा रद्द कर दिया, लेकिन आम लोगों की सुरक्षा के लिए व्यवस्था नहीं की। 26 बेगुनाह लोग मारे गए और सरकार ने माना इंटेलिजेंस फैलियर है और उसको वे सुधारेंगे। अगर उन्हें यह पता है, तो उन्होंने अच्छी व्यवस्था क्यों नहीं की। वहीं, रूस में बने एक मॉडर्न स्टील्थ युद्धपोत 'तमल' को भारतीय नौसेना को मई के अंत (28 मई) में सौंपा जाएगा।

हिमाचल में घरेलू कामगार महिलाओं को 1500 रुपए पेंशन

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में घरेलू कामगार महिलाएं (दूसरे के घरों में काम करने वाली/मेड) भी 1500 रुपए की मासिक पेंशन की हकदार होंगी। ष्टरू सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में मंगलवार को संपन्न कैबिनेट मीटिंग में इन महिलाओं को %इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना% में शामिल करने की स्वीकृति प्रदान की गई। घरेलू सहायिका के रूप में कम से कम 100 दिन पूरे करने वाली महिलाएं और उनकी 21 वर्ष या उससे अधिक आयु की बेटियां भी अब इस योजना के तहत 1500 रुपए के लिए पात्र होंगी।

इस निर्णय से प्रदेश की सैकड़ों महिलाएं लाभान्वित होंगी।

पंजाब के जंगलों में आतंकियों का छिपाया विस्फोटक पकड़ा

अमृतसर (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पंजाब के शहीद भगत सिंह नगर (नवांशहर) के जंगलों में पुलिस ने 2 आरपीजी, 2 आईईडी, 5 हैंड ग्रेनेड और एक वायरलेस कम्युनिकेशन सेट बरामद किया है। खुफिया इनपुट के बाद अमृतसर की स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल केंद्रीय एजेंसी के साथ तिब्बा नंगल-कुलार रोड के पास बने जंगल में पहुंची थी। सर्च ऑपरेशन में टीम को विस्फोटक सामग्री मिली।

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि पाकिस्तान की आईएसआई और उससे जुड़े आतंकी संगठनों ने पंजाब में छिपे अपने स्लीपर सेल को दोबारा एक्टिव करने की प्लानिंग बनाई थी। विस्फोटक सामग्री की बरामदगी इसी साजिश का हिस्सा है। आतंकियों ने ये सामग्री भविष्य में आतंकी घटनाओं के लिए छिपाकर रखी थी। इसे लेकर अमृतसर एसएसओसी की टीम ने मामला दर्ज कर लिया है। जल्दी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, सोमवार को गुरदासपुर में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी नागरिक को अरेस्ट किया। उसके पास पाकिस्तानी आईडी कार्ड भी मिला है। यह गिरफ्तारी गुरदासपुर के ठाकरपुर में हुई। आईकार्ड पर युवक का नाम नाम हुसनैन लिखा हुआ है। वह पाकिस्तान में गुजरांवाला का रहने वाला है। शुरुआती पूछताछ में उसने कहा कि वह अनजाने में भारतीय सीमा में आ गया। क्वस्त्र को उससे कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली।

रूस से इसी महीने आ जाएगा जंगी जहाज तमल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध की संभावनाओं के बीच भारत की समुद्री ताकत बढ़ने वाली है।

रूस में बने एक मॉडर्न स्टील्थ युद्धपोत 'तमल' को भारतीय नौसेना को मई के अंत (28 मई) में सौंपा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जून में इसे आधिकारिक रूप से नौसेना में शामिल किया जाएगा। यह जंगी जहाज ब्रह्मोस मिसाइल से लैस होगा। जो रडार की पकड़ में भी नहीं आएगा। तमल युद्धपोत 2016 में हुए भारत-रूस रक्षा समझौते का हिस्सा है, जिसके तहत चार तलवार-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट बनाए जा रहे हैं। इनमें से दो रूस के यंतर शिपयार्ड में और दो भारत के गोवा शिपयार्ड में बन रहे हैं। तमल रूस में बनने वाला दूसरा फ्रिगेट है। इससे पहले आईएनएस तुशिल को दिसंबर 2024 में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रूस के तटीय शहर कलिनिनग्राद में कमीशन किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने जजों की संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने जजों की संपत्ति का ब्यौरा अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया कि ज्युडिशियरी में ट्रांसपेरेंसी और जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। हालांकि वेबसाइट पर 33 में से केवल 21 जजों की जानकारी ही देखी जा सकती है। बाकी जजों ने ब्योरा केवल सुप्रीम कोर्ट को सौंपा है।

सुप्रीम कोर्ट ने एक रिलीज में कहा- सुप्रीम कोर्ट की फुल कोर्ट ने 1 अप्रैल 2025 को निर्णय लिया है कि कोर्ट के जजों की संपत्ति का ब्योरा वेबसाइट पर अपलोड करके सार्वजनिक किया जाएगा। कोर्ट को पहले से मिली जजों की डीटेल्स अपलोड की जा रही है। बाकी जजों की जानकारी मिलने पर अपलोड की जाएगी। यह फैसला दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से कैश मिलने के विवाद के बाद लिया गया है।

खड़े ट्रैक्टर से टकराई स्कॉर्पियो, 8 बारातियों की मौत

कटिहार (एजेंसी)। कटिहार में सोमवार रात बारातियों से भरी स्कॉर्पियो खड़े ट्रैक्टर से टकरा गई। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। 2 घायल हैं। सभी पूर्णिया के रहने वाले थे। हादसा देर रात समेली प्रखंड कार्यालय के पास हुआ है। पूर्णिया से सूरज और सीमा की शादी के लिए 5 गाड़ियों में बारात निकली थी। सभी कटिहार के कुर्सेला थाना क्षेत्र के कोशकीपुर जा रहे थे। इसी दौरान 10 लोगों से भरी एक स्कॉर्पियो चांदपुर चौक के पास बेकाबू होकर ट्रैक्टर से टकरा गई। इस गाड़ी में दूल्हा नहीं था। हादसे की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समेली में भर्ती करवाया गया। वहां से डॉक्टरों ने दोनों को दूसरे अस्पताल में रेफर कर

दिया।

गाड़ी के पीछे बाइक से आ रहे एक बाराती ने बताया- %हम डिबरा बाजार से आ रहे थे। खुदकीपुर जाना था। टिकापट्?टी पुल के नीचे मक्के का ढेर रखा हुआ था। गाड़ी उस पर चढ़ गई और अन बैलेंस हो गई। आगे ट्रैक्टर खड़ा था, जिस पर मक्का लोड था।

शिमला पुलिस ने दबोचा नशा तस्कर गिरोह का सरगना

शिमला (एजेंसी)। शिमला पुलिस ने इंटर स्टेट नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले %शर्मा गिरोह% के सरगना को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को गाजियाबाद के एक होटल में दबोचा और बीती शाम को शिमला लेकर आई। आरोपी अशोक खजूरिया उर्फ शर्मा उर्फ बिल्ला जम्मू-कश्मीर का रहने वाला है। वह पंजाब, जम्मू-कश्मीर से हिमाचल प्रदेश में अलग अलग जगहों पर नशीले पदार्थों की तस्करी करता था। पुलिस को लंबे समय से उसकी तलाश थी। शिमला पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। शिमला पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट (स्क्वड्ड) ने आरोपी को पकड़ने के लिए हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में भेजी थी। सोमवार को पुलिस उसे पकड़ने में कामयाब हुई। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि आरोपी ड्रग्स से कमाए पैसे को हरियाणा के हिसार जिले के एक व्यक्ति के माध्यम से आईपीएल ड्रीम 11 में सट्टा लगाता था।

आरोपी के खिलाफ एसटीएफ मोहाली ने भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर रखा है। तब आरोपी के पास से 5 किलो चिट्टा/हेरोइन बरामद हुई थी और वह इसी मामले में लगभग सात साल जेल में रह चुका है।

भारत ने पाकिस्तान के लिए बगलिहार डैम बंद किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने रविवार को चिनाब नदी पर बने बगलिहार डैम का पानी पाकिस्तान के लिए रोक दिया। न्यूज एजेंसी पीआईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, कश्मीर में किशनगंगा बांध के जरिए झेलम नदी का पानी रोकने की प्लानिंग चल रही है। जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि जम्मू के रामबन में बगलिहार और उत्तरी कश्मीर में किशनगंगा हाइड्रोपावर डैम के जरिए भारत अपनी तरफ से पानी छोड़ने के टाइम को रेगुलेट कर सकता है। यानी इन बांधों के जरिए पाकिस्तान को पहुंचने वाले पानी को बिना

किसी पूर्व चेतावनी के कम किया जा सकता है या फ्लो को बढ़ाया भी जा सकता है। 22 अप्रैल कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। इसके बाद से भारत, पाकिस्तान के खिलाफ कई डिप्लोमैटिक फैसले ले चुका है।

भारत और पाकिस्तान के बीच बगलिहार बांध को लेकर भी लंबे समय तक विवाद रहा था।

वर्ल्ड बैंक के हस्तक्षेप के बाद मामला हल हुआ। वहीं, किशनगंगा डैम को लेकर भी रणनीतिक और कानूनी मसला था। इसके चलते नीलम नदी पर असर पड़ रहा था।

हरियाणा में नेवी लेफ्टिनेंट के घर पहुंचे राहुल गांधी

करनाल (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को हरियाणा के करनाल में नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के घर पहुंचे। यहां उन्होंने परिवार से 1 घंटा 35 मिनट तक मुलाकात की। वह दोपहर 2ः15 बजे लेफ्टिनेंट के घर से रवाना हुए। इस दौरान सुरक्षा टाइट रही।

मुलाकात के बारे में परिवार के सदस्य ने कहा कि राहुल गांधी ने हमारी फैमिली से दुख साझा किया। उन्होंने विनय के बचपन और पढ़ाई के बारे में पूछा। इसके साथ विनय की स्कूल की मार्कशीट और बचपन की फोटो भी देखी। उन्होंने सुरक्षा में चूक की भी बात कही, जिसके चलते इतनी बड़ी घटना हुई। परिवार के सदस्य ने कहा कि शहीद के दर्जे को लेकर कोई बात नहीं हुई। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता है। मुलाकात के दौरान राहुल गांधी ने सिर्फ

पानी ही पिया। हिमांशी घर पर नहीं हैं, वह अपने मायके गई हैं।

रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि राहुल गांधी ने विनय नरवाल को श्रद्धांजलि दी।

इसके बाद एकांत में परिवार से बातचीत की। राहुल ने परिवार को ढांढस बंधाया है। हिमांशी की ट्रोलिंग के सवाल पर हुड्?डा ने कहा कि इस विषय पर हमारा या राहुल गांधी का कोई उद्देश्य नहीं है कि हम कोई टिप्पणी करें। हमारा एकमात्र उद्देश्य विनय नरवाल को श्रद्धांजलि देना था।

लेफ्टिनेंट नरवाल की 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने हत्या कर दी थी। शादी के 7वें दिन ही आतंकियों ने पत्नी हिमांशी के सामने उन्हें 3 गोलियां मारी थीं। लेफ्टिनेंट नरवाल की पत्नी हिमांशी ही वह महिला थीं, जिसने सबसे पहले खुलासा किया कि आतंकियों ने नाम पूछकर टूरिस्टों को गोली मारी। इस हमले में 26 टूरिस्टों की मौत हुई थी।

हिमांशी बोलीं- कश्मीरियों-मुस्लिमों के खिलाफ न जाएं

लेफ्टिनेंट की हत्या के बदले को लेकर पत्नी हिमांशी ने मुस्लिम और कश्मीरियों के खिलाफ नफरत भरे बयानों पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा था कि ये सही नहीं है। हमें न्याय चाहिए। जिन लोगों ने गलत किया, उनको सजा मिलनी चाहिए।

रोहित शर्मा ने मोहम्द सिराज को दी हीरे की अंगूठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीटी के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को एक खास तोहफा मिला है। बीसीसीआई ने स्पेशल वीडियो शेयर किया। जिसमें रोहित शर्मा, सिराज को हीरे की अंगूठी देते हुए दिख रहे हैं। दरअसल, टीम इंडिया ने रोहित की अगुवाई में पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप जीता था। टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने वाले भारतीय स्क्वॉड को बीसीसीसीआई ने डायमंड रिंग से सम्मानित किया। बोर्ड ने फरवरी 2025 में नमन अवॉर्ड्स के दौरान चैंपियन प्लेयर्स को डायमंड रिंक का तोहफा दिया था। उस फंक्शन में सिराज मौजूद नहीं थे। ऐसे में सिराज को अब टीम इंडिया के कप्तान रोहित द्वारा अंगूठी सौंपी गई है। रोहित ने रिंग देते हुए समय कहा कि सिराज तुम्हें फंक्शन में मिस किया। मुझे ये स्पेशल रिंग देते हुए गर्व हो रहा जो हम सबी के लिए बनाई गई।

वहीं रिंग लेने के बाद सिराज की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि, चैंपियन। बता दें कि, भारत ने रोहित की अगुवाई में टी20 वर्ल्ड कप जीतकर 11 साल का आईसीसी ट्रॉफी की सूखा समाप्त किया था। रोहित ब्रिगेड ने रोमांचक फाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 7 रनों से हराया था।

सीएसके में इस खिलाड़ी की एंट्री, सैयद मुश्ताक अली में मचा चुका है तूफान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल का 18वां सीजन अच्छा नहीं रहा। टीम लगातार अपने मैच गंवा रही है साथ ही टीम के कई खिलाड़ी भी चोटिल होने के कारण सीजन से बाहर हो गए हैं। पहले कप्तान ऋतुराज गायकवाड़, युवा गेंदबाज गुरजपनीत सिंह के बाद अब टीम का एक और खिलाड़ी चोटिल हो गया। टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज वंश बेदी भी सीजन से बाहर हो गए हैं। दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले वंश के बाएं टखने में चोट है। जिसके बाद सीएसके ने अब उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान किया है। वंश की जगह टीम ने उर्विल पटेल को टीम में शामिल किया है। 26 साल के उर्विल पटेल भी विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। घरेलू क्रिकेट में वह गुजरात के लिए खेलते हैं। उर्विल विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। पिछले साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में त्रिपुरा के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों पर शतक लगा दिया था। ये टी20 में किसी भी भारत के बल्लेबाज का सबसे तेज शतक है। आईपीएल में वह गुजरात टाइटंस की टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं।

टी20 में टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी करने वाले उर्विल पटेल का रिकॉर्ड दमदार है। 47 टी20 मैचों में उनके नाम 1162 रन हैं। उन्होंने ये रन 170 की स्ट्राइक रेट से मारे हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 4 फिफ्टी निकली हैं। उर्विल की सबसे बड़ी पारी नाबाद 115 रनों की रही है। लिस्ट ए क्रिकेट के 22 मैचों में उनके नाम 748 रन हैं।

आईसीसी की वार्षिक रैंकिंग में टीम इंडिया को टेस्ट में लगा झटका, वनडे और टी20 में बादशाहत बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने हर बार की तरह इस साल भी सालाना रैंकिंग जारी की है। सोमवार को जारी इस वार्षिक रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट में दबदबा देखने को मिला है, जबकि टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। हालांकि, भारतीय टीम का वनडे और टी20 में जलवा बरकरार है।

वहीं आईसीसी के इस अपडेट में मई 2024 से अब तक खेले गए सभी मैचों को 100 प्रतिशत और पिछले दो सालों के मैचों को 50 प्रतिशत दर दी गई है। 2023 में भारत को फाइनल में हराकर डब्ल्यूटीसी जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम टेस्ट की वार्षिक रैंकिंग में पहले स्थान पर कायम है। हालांकि, कंगारू टीम की लीड 15 से घटकर 13 रह गई है। पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के खाते में 126 रेटिंग हैं। वहीं दो स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर कब्जा जमाने वाली इंग्लैंड टीम की रेटिंग 113 है।

इंग्लिश टीम को ये फायदा अपनी पिछली चार सीरीज में से तीन जीतने के कारण हुआ है। वहीं साउथ अफ्रीका और भारत को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। जहां साउथ अफ्रीका 111 रेटिंग के साथ तीसरे पर हैं तो भारत 105 रेटिंग के साथ चौथे स्थान पर है। टॉप 10 में बाकी टीमों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड पांचवें स्थान पर है, उसके बाद श्रीलंका, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश और जिम्बाब्वे हैं। मौजूदा समय में टेस्ट टेबल में केवल 10 टीमें रैंक की गई हैं। आयरलैंड को अगले 12 महीनों में रैंकिंग के लिए योग्य होने के लिए एक और टेस्ट खेलने की दरकार है, जबकि अफगानिस्तान को लिस्ट में जुड़ने के लिए तीन और मैच खेलने होंगे।

वहीं फरवरी- मार्च में खेली चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम करने वाली टीम इंडिया वनडे रैंकिंग में पहले स्थान पर बनी हुई है। भारत की रेटिंग भी अच्छी हो गई है जो 122 से बढ़कर 124 है। दूसरे नंबर पर फेरबदल हुआ है और न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को पछाड़ कर कब्जा जमा लिया है। कंगारू टीम तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। इसके बाद, श्रीलंका चौथे, पाकिस्तान पांचवें और साउथ अफ्रीका छठे नंबर पर है। वहीं सातवें नंबर पर अफगानिस्तान है तो आठवें पर इंग्लैंड और वेस्टइंडीज 9वें और बांग्लादेश 10वें नंबर पर है।

मोहम्मद शमी को मिली जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और अब तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को जान से मारने की धमकी मिली है। सोमवार को शमी को एक ईमेल आया जिसमें उनसे एक करोड़ की डिमांड की है और पैसे नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। तेज गेंदबाज शमी इस समय आईपीएल खेल रहे हैं और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम का हिस्सा हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईमेल में कहा गया है कि अगर मांगी हुई राशि नहीं मिलती है तो शमी को मार दिया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, शमी के भाई मोहम्मद हसीब ने ईमेल देखने के बाद अमरोहा के एसपी को इस बारे में सूचना दी है।

उन्होंने शिकायत दर्ज कराई है और सख्त एक्शन लेने के लिए कहा है। ईमेल बीते रविवार को आया है।

वहीं अमरोह पुलिस द्वारा साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई गई है। शमी के भाई ने बताया है कि ये मेल रविवार को दोपहर 2-3 बजे के आसपास आया और उन्होंने तुरंत अमरोह पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस फिलहाल भारतीय तेज गेंदबाज को ईमेल के जरिए भेजी गई धमकी के मामले की जांच कर रही है।

इंग्लैंड दौरे पर जसप्रीत बुमराह नहीं होंगे टीम के उपकप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के बाद टीम इंडिया को इंग्लैंड का दौरा करना है। जहां इंग्लैंड और भारत के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। लेकिन इस सीरीज से पहले कहा जा रहा है कि, जसप्रीत बुमराह को एक जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी।

दरअसल, जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत की दो मुकाबलों में कप्तानी की थी, जिसमें से एक में टीम को जीत मिली थी। जिसके बाद फैंस मानकर चल रहे थे कि बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में बतौर कप्तान या उपकप्तान, टीम का नेतृत्व करने का मौका मिलेगा। लेकिन बीसीसीआई इससे इतर सोच रहा है। इंडियन एक्सप्रेस को बीसीसीसीआईके सोर्स ने बताया कि जसप्रीत बुमराह शायद इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले सभी 5 टेस्ट मुकाबले नहीं खेल पाएंगे। इसी के चलते उन्हें किसी भी तरह का लीडरशिप रोल नहीं दिया जाएगा।

बीसीसीआई के सूत्र ने कहा कि, हम एक ऐसा खिलाड़ी चाहते हैं, जो सभी पांच टेस्ट मैच खेले और उसे उपकप्तान का रोल दिया जाए। बुमराह सभी पांच मुकाबले नहीं खेलने वाले हैं। इसी कारण से हम अलग-अलग मुकाबलों में अलग-अलग लोगों को कमान संभालने के लिए नहीं चुन सकते। अच्छा यही होगा कि कप्तान और उपकप्तान उन्हें बनाया जाए, जो पांच टेस्ट मैच खेल पाए। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि टीम इंडिया किसी युवा खिलाड़ी को उपकप्तान बनाना चाहता है, जिससे भविष्य के लिए उसे तैयार किया जा सके। बुमराह की फिटनेस पर हमेशा ही सवाल रहते हैं क्योंकि उनका चोट से पुराना नाता रहा है। 31 वर्षीय तेज गेंदबाज पर ज्यादा भार डालना टीम इंडिया को हाल फिलहाल में भारी पड़ा है। वहीं इस कड़ी में शुभमन गिल और ऋषभ पंत के नामों में से किसी एक के नाम पर मुहर लग सकती है।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पैट कमिंस ने बरपाया कहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के 55वें मैच में पैट कमिंस ने दिल्ली कैपिटल्स पर कहर बरपाया। कमिंस ने 3 ओवर में 3 विकेट लिए। इसका नतीजा हुआ कि दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल 5वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए आ गए। कमिंस ने मैच की पहली ही गेंद पर विकेट झटका। उन्होंने करुण नायर को पहली ही गेंद पर पवेलियन भेजा। पैट कमिंस मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के चौथे खिलाड़ी बने। उनसे पहले ये कारनामा भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी कर चुके हैं। शमी ने आईपीएल 2025 में ही चेन्नई सुपर किंग्स के ओपनर शेख रशीद को पहली गेंद पर पवेलियन भेजा था। भुवनेश्वर कुमार ने 2023 में पंजाब किंग्स के ओपनर प्रभसिमरन सिंह को पहली गेंद पर पवेलियन भेजा था। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए सबसे पहले ये कारनामा जग्दीश सुचित ने किया था। उन्होंने 2022 में आरसीबी के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को आउट किया था।

पैट कमिंस ने पावरप्ले में ही 3 ओवर कर दिए। उन्होंने 12 रन देकर 3 विकेट लिए। करुण नायर के बाद उन्होंने तीसरे ओवर की पहली गेंद पर फाफ डुप्लेसिस को पवेलियन भेजा।

ऋषभ के अजीब शॉट को लेकर उठ रहे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत (आईपीएल) के 18 वें सत्र में पूरी तरह से विफल रहे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में भी वह 18 रनों पर ही पेवेलियन लौट गये। इस मैच में जिस प्रकार से ऋषभ जिस प्रकार अजीब तरह से आउट हुए उसपर सवाल उठ रहे हैं। इसका एक विडियो भी वायरल हुआ है। इसमें ऋषभ ने जब शॉट लगाया तो उनका बल्ला हवा में उड़ता दिखा। ऋषभ कवर के ऊपर से गेंद को मारने के प्रयास में पूरी तरह से असफल रहे और गेंद सही से बल्ले पर नहीं आयी। उनका बल्ला हाथ से फिसल गया और हवा में लहराता हुआ काफी दूर जा गिरा। बल्ला स्क्वायर-लेग की तरफ उड़ गया जबकि गेंद सीधे स्वीपर कवर पर खड़े फील्डर के पास चली गई।इसपर शशांक सिंह ने कैच लेने में कोई गलती नहीं की। वहीं तब कमेंट्री कर रहे पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने कहा, यह सबसे अजीब आउट होने वाली घटनाओं में से एक है जो मैंने कभी देखी है।

डैनियल, तेजस ने रचा इतिहास, भारत के लिए हासिल किया पहला गोल्ड मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई के जियो कन्वेंशन सेंटर में ईस्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की तरफ से वेव्स ईस्पोर्ट्स चैंपियनशिप आयोजित किया गया। जहां भारत के डेनियल पटेल और तेजसकुमार हसमुखभाई भोई ने इतिहास रचते हुए देश को पहला गोल्ड मेडल दिलाया। इन दोनों एथलीट ने ईफुटबॉल और वर्ल्ड क्रिकेट चैंपियनशिप 3 में पदक अपने नाम किए।

बता दें कि, इस प्रतियोगिता में पांच देशों के कुशल खिलाड़ी शामिल थे, जिन्होंने दो लोकप्रिय खिताबों में भारत के राष्ट्रीय विजेताओं को चुनौती दी। ई-फुटबॉल में, वैश्विक ई-स्पोर्ट्स पावरहाउस मलेशिया, थाईलैंड और लाओस के शीर्ष दावेदारों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए, डैनियल ने साउथीफोन सिंगथोंग (लाओस) को 5-3 और नाथावत साटेक (थाईलैंड) को 2-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने रोमांचकारी ग्रैंड फिनाले में मलेशिया के मोहम्मद अजरुद्दीन बिन याकूब को 2-0 से हराने के लिए अपना धैर्य बनाए रखा। साटेक ने पोडियम पर अपना स्थान बनाया।

वहीं श्रीलंका के मोहम्मद शाद मोहम्मद उवैज और नेपाल के रजत बुडाथोकी के खिलाफ खेलते हुए भारत के तेजस ने डब्ल्यूसीसी3 राउंड-रॉबिन और फाइनल सीरीज में अपना दबदबा बनाया और नेपाल के रजत बुडाथोकी पर जीत हासिल कर खिताब अपने नाम किया।

इस मौक पर ईएसएफआई के अध्यक्ष विनोद तिवारी ने कहा कि, वेव्स एक दूरदर्शी पहल है और हम भारतीय ई-स्पोर्ट्स को इतनी दूरदर्शिता के साथ अंतर्राष्ट्रीय मंच पर लाने के लिए पीएम मोदी के प्रति बहुत आभारी हैं।

उन्होंने आगे कहा कि, मोदी के नेतृत्व में, यह क्षेत्र उद्देश्य और गति के साथ सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत का पहला ऐतिहासिक अंतर्राष्ट्रीय गोल्ड मेडल उस प्रगति का प्रमाण है। उच्च-दांव वाले क्षेत्र में, हमारे एथलीटों ने न केवल प्रतिस्पर्धा की, बल्कि उन्होंने प्रदर्शन भी किया। डैनियल और तेजस ने बिल्कुल वैसा ही संयम, परिपक्वता और गेमप्ले दिखाया जो भारतीय ईस्पोर्ट्स के भविष्य को परिभाषित करता है,जैसा कि ईस्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है।

प्लेऑफ में पहुंचने की दौड़ में सबसे आगे रहती है आरसीबी, मुम्बई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के 18 सत्र में अब प्लेऑफ में जगह बनाने की होड़ जारी है। इसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) भी शामिल है जो पिछले 5 आईपीएल सत्र में से सबसे अधिक 4 बार टीम प्लेऑफ में पहुंची है हालांकि वह एक बर भी खिताब नहीं जीती है। इस बार टीम अंक तालिका में पहले नंबर पर है और उसका प्लेऑफ में पहुंचना तय है। वहीं पांच बार खिताब जीतने वाली मुम्बई इंडियंस भी खराब शुरुआत से उबरकर दौड़ में बनी हुई है। वहीं गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) भी पिछले 5 स्त्र में दो ही बार प्लेऑफ में पहुंची है।

उनके अलावा दिल्ली कैपिटल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने भी 2-2 बार प्लेऑफ में पहुंची है।

आठ टीमें ऐसी हैं जिन्होंने दो-दो बार खिताब जीता है, वहीं एकमात्र टीम ऐसी है जिसने इस दौरान 4 बार प्लेऑफ में कदम रखा है पर खिताब नहीं जीत पायी। मुंबई इंडियंस पिछले पांच सत्र में केवल 2 ही बार नॉकआउट में पहुंचने में सफल रही है।

टीम 2020 में अंतिम बार खिताब जीती थी।

वहीं पांच बार की विजेता और 2008 से 2019 के बीच लगातार 10 साल नॉकआउट में पहुंचने वाली सीएसके इस बार पहले ही बाहर हो गयी है। सीएसके साल 2020 से केवल दो ही बार प्लेऑफ तक पहुंचने में सफल रही है। 2022 में आईपीएल डेब्यू करने वाली गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जाएंट्स दो-दो बार प्लेऑफ में पहुंची है। गुजरता ने अपने पहले ही सीजन में ट्रॉफी जीती थी जबकि दूसरे सत्र में वह उपविजा रही थी। इस बार भी वह प्लेऑफ की दावेदार है पर लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम मुश्किल में है।

विद्युत विभाग की बड़ी लापरवाही, अजगरहा फीडर में महिला को बनाया लाइन कर्मी

अब खंभों में चढ़कर महिला की जगह उसका पति बिना सुरक्षा के कर रहा बिजली सुधार का कार्य

अनजान बनकर लोगों की परेशानी दूर करने में जुटे अधिकारी, समय पर नहीं दे पा रहे लाइन का कनेक्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विद्युत वितरण कंपनी के द्वारा प्रत्येक घरों में सुचारू ढंग से बिजली आपूर्ति किए जाने के लिए हर एक फीडर पर 2 नियमित लाइन कर्मियों को रखने की व्यवस्था बनाई गई है जिससे अगर कहीं भी किसी समस्या के चलने विद्युत की सप्लाई बंद हो तो तत्काल उसे सुधारा जा सके परंतु रीवा शहर के ग्रामीण क्षेत्र अजगरहा फीडर में 1 हेल्पर महिला कर्मचारी के भरोसे पूरे क्षेत्र का जिम्मा सौंप दिया गया है जिसमें वह महिला तो खंभों में चढ़कर कोई काम नहीं कर पाती बल्कि उसके पति बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के ही खंभों में चढ़कर काम कर रहे और विभागीय अमले को इसकी कोई खबर तक नहीं है

बताया जा रहा है कि अजगरहा फीडर में एक लाइन कर्मी के साथ ही महिला हेल्पर सविता सोनी की नियुक्ति की गई है परंतु अब महिला हेल्पर खंभे में चढ़कर विद्युत सुधार का कार्य तो कर नहीं सकती ऐसे में उसके पति को खंभों में चढ़कर अपनी पत्नी के काम को करना पड़ रहा है मगर यहां भी विभाग की लापरवाही देखिए कि बिना किसी सुरक्षा के उपकरण का इस्तेमाल किए बगैर महिला के पति को खंभों में चढ़ाकर काम कराया जा रहा है और अधिकारी कहते हैं कि उन्हें तो इसकी कोई जानकारी ही नहीं है। वहीं अजगरहा फीडर में नियुक्ति एक अन्य कर्मचारी को कार्य में लापरवाही के चलते सस्पेंड किया गया है ऐसे में अब ग्रामीण क्षेत्र की विद्युत सप्लाई भगवान भरोसे ही चल रही है।

दरअसल लाइन सुधार के समय सीनियर कर्मचारी अपने साथ नए कर्मचारियों को रखते हैं जिसे हेल्पर कहा जाता है और अजगरहा में बतौर हेल्पर सविता सोनी की नियुक्ति की गई है जिन्हें नियम अनुसार खंभे में चढ़ाया भी नहीं जा सकता जिसकी वजह से उनके पति ने खंभे में चढ़ने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले रखी है और पत्नी की नौकरी करके अपनी जान जोखिम में डालकर वह अपने लिए रोटी की तलाश करते हैं और विद्युत विभाग आंखों पर पट्टी बांधकर नियम विरुद्ध कार्य कराती जा रही है। हालांकि नियम अनुसार लाइन सुधारते समय खंभे पर सिर्फ लाइनमैन को ही चढ़ना चाहिए, लेकिन लाइनमैन नीचे खड़े रहते और नौसिखिए खंभे पर चढ़कर बिजली सुधारते हैं। परंतु इस सिस्टम को देखने वाला कोई नहीं है।

इसके साथ ही वर्तमान में जो कर्मचारी विद्युत वितरण कंपनी के लिए काम कर रहे हैं वह भी बिना सुरक्षा उपकरण के अपनी जान जोखिम में डालकर काम कर रहे हैं। ऊंचे ऊंचे बिजली के खंभों पर चढ़कर बिजली का सुधार करने के लिए ये केवल एक सीढ़ी के सहारे डटे रहते हैं जबकि पूर्व में कई दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं वाबजूद इसके कर्मचारी बिना सुरक्षा उपकरणों के ही काम करते हैं तथा जिम्मेदार बिजली कंपनी हादसे का इंतजार करती है

आपको बता दें लाइन में छोटा सुधार हो या बड़ा कार्य सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करना अनिवार्य होता है। बिजली सुधार करते समय प्रत्येक बिजली कर्मचारी के पास हाथों में पहनने वाले नायलोन के लांग ग्लब्स, लांग बूट, हेलमेट, कैप, टेस्टर, टार्च, झूला, सीढ़ी और सूती कपड़े पहनना जरूरी है। मगर शहर या ग्रामीण क्षेत्र में जब भी बिजली सुधार कार्य होता है तब कंपनी के मैदानी एवं सर्विस प्रोवाइडर के कर्मचारी इन उपकरणों का इस्तेमाल कम ही करते हैं। कई बार बिना सुरक्षा उपकरणों के ही डीपी पोल पर चढ़कर सुधार किया जाता है। जिसका अंदाजा आप इस तस्वीर को देखकर लगा ही सकते हैं।

मैहर में शॉपिंग के दौरान पर्स चोरी, सीसीटीवी में दिखी तीन संदिग्ध महिलाएं

दो बहनों ने बैंक से निकाले थे 50 हजार

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर में मंगलवार को एक चोरी की घटना सामने आई। दो बहनों के पर्स से 50 हजार रुपए चोरी हो गए। काजल सिंह और उनकी बड़ी बहन लवली सिंह शादी की खरीदारी के लिए बैंक से पैसे निकालकर बाजार गई थीं।

बाजार में तीन महिलाएं उनसे मिलीं। वे खुद को गुजराती बता रही थीं और कटनी रोड का रास्ता पूछ रही थीं। इसके बाद वे दोनों बहनों का पीछा करने लगीं। जब बहनें एकता टॉवर में खरीदारी कर रही थीं, तभी इन महिलाओं ने मौका देखकर पर्स से पैसे निकाल लिए।

बॉस कॉलोनी की रहने वाली दोनों बहनों को पैसे गायब होने का पता तब चला जब उन्होंने पर्स चेक किया। उन्होंने तुरंत मैहर थाने में शिकायत दर्ज कराई। बाजार में एक दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में तीनों संदिग्ध महिलाएं कैद हुई हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सतना में खुले कुएं में गिरा मासूम, दिनभर तलाश के बाद शाम को मिला शव

परिजनों के शादी में जाने के दौरान हादसा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के मझगवां थाना क्षेत्र के पटना गांव में मंगलवार को 6 वर्षीय अनिरुद्ध प्रताप सिंह की कुएं में डूबने से मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब घर के अधिकांश सदस्य एक शादी समारोह में शामिल होने बाहर गए हुए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकालकर पीएम के लिए भेजा। घटना की जांच जारी है।

सुबह से लापता था मासूम: परिजनों ने बताया कि मासूम अनिरुद्ध मंगलवार को घर पर अपनी दादी के साथ था इसके बाद सुबह करीब 10 बजे से ही लापता हो गया था। घर के अधिकांश सदस्य एक शादी समारोह में शामिल होने बाहर गए हुए थे।

सूचना पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन काफी खोजबीन के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद शाम करीब 6 बजे घर के सामने स्थित बिना बाउंड्री वाले कुएं में उसका शव मिला।घटना की सूचना मिलते ही मझगवां पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से बच्चे के शव को कुएं से बाहर निकालकर पंचनामा बनाया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों ने बताया कि जिस कुएं में बच्चा डूबा वह घर के ठीक सामने था और खुला पड़ा हुआ था। गांव में मासूम की मौत से मातम का माहौल है।

मझगवां टीआई आदित्य नारायण धुर्वे ने बताया कि संतोष सिंह गौड़ अपनी पत्नी के साथ रिश्तेदारी में गए थे। उनका 6 साल का बेटा दादी के पास था। सुबह 10 बजे अनिरुद्ध घर से खेलने के लिए निकला। काफी देर तक जब वह घर नहीं लौटा तो दादी ढूंढने निकली। आस पास कही नजर नहीं आने पर ग्रामीणों ने भी अनिरुद्ध की खोजबीन शुरू की। शाम 4 बजे अनिरुद्ध का शव खुले कुएं में तैरता पाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवा कर पीएम के लिए मझगवां अस्पताल भेज दिया गया है।

बोर्ड परीक्षा में मेरिट में रीवा संभाग के 66 विद्यार्थियों ने बनाया स्थान

सिंगरौली की छात्रा प्रज्ञा ने शत-प्रतिशत अंक प्राप्त कर 10वीं में किया टॉप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल की बोर्ड परीक्षाओं के कक्षा 10वीं और 12वीं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इन दोनों परीक्षाओं की प्रदेश स्तरीय मेरिट सूची में रीवा संभाग के 66 विद्यार्थियों ने स्थान बनाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कक्षा 10वीं में सिंगरौली की कुमारी प्रज्ञा जायसवाल पिता विनय कुमार जायसवाल ग्लोरियस पब्लिक हाई स्कूल सिंगरौली ने शत-प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रज्ञा को 500 में से 500 अंक प्राप्त हुए। 10वीं में ही मऊगंज जिले के आयुष द्विवेदी ने पिता श्री अरूणेन्द्र कुमार द्विवेदी अमित पब्लिक हाईस्कूल मऊगंज ने 499 अंक के साथ प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। सीधी जिले की कुमारी मानसी साहू पिता श्री मंगल प्रसाद साहू गांधी हाईस्कूल सीधी ने 497 अंकों के साथ प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त किया है। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने मेरिट में स्थापन प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा शिक्षकों को बधाई दी है। श्री जामोद ने कहा है कि शीघ्र ही सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

बोर्ड परीक्षा परिणामों के संबंध में संयुक्त संचालक शिक्षा केपी तिवारी ने बताया कि कक्षा 10वीं और 12वीं में संभाग के 66 विद्यार्थियों ने स्थान बनाया है। इनमें कक्षा 10वीं में 39 और कक्षा 12वीं में 27 विद्यार्थियों को मेरिट सूची में स्थान बनाने में सफलता मिली है। कक्षा 10वीं में अकेले रीवा जिले से ही 24 विद्यार्थी प्रदेश स्तरीय मेरिट सूची में स्थान बनाने में सफल हुए हैं। कक्षा 10वीं में सतना जिले के 3, सीधी जिले के 9 तथा सिंगरौली जिले के 3 विद्यार्थी शामिल हैं। कक्षा 12वीं की मेरिट सूची में रीवा जिले के 14, सतना जिले के 7, सीधी जिले के 5 तथा सिंगरौली जिले के एक विद्यार्थी ने स्थान बनाया है। इनमें मऊगंज और मैहर जिले भी शामिल हैं। संयुक्त संचालक ने बताया कि कक्षा 12वीं में कला समूह में मेरिट सूची में प्रथम तीन स्थान रीवा जिले के विद्यार्थियों को मिले हैं। रीवा जिले के अंकुर यादव पिता प्रमोद कुमार यादव शासकीय मार्तण्ड उमावि उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक एक ने 489 अंक प्राप्त करके प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। आयरन पाण्डेय पिता दीपक पाण्डेय मार्तण्ड उमावि उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक एक ने 488 अंक के साथ तथा अभिषेक मिश्रा पिता श्री अशोक कुमार मिश्रा दीप ज्योति उमावि बरा ने 488 अंक के साथ संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

संयुक्त संचालक ने बताया कि विज्ञान समूह में सतना जिले की कुमारी प्रियल द्विवेदी पिता श्री पुण्डरीकाक्ष द्विवेदी शासकीय कन्या उमावि अमरपाटन ने 500 में से 492 अंक प्राप्त करके प्रदेश की मेरिट सूची में प्रथम अंक प्राप्त किया है। हर्ष पाण्डेय पिता सुनील पाण्डेय शासकीय व्यंकट उमावि उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक एक सतना ने 490 अंकों के साथ दूसरा स्थान तथा रीवा जिले की कुमारी मंदाकिनी पाण्डेय पिता श्री प्रकाश नारायण पाण्डेय उमादत्त स्मृति उमावि ढेकहा रीवा ने 489 अंक के साथ मेरिट में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। संयुक्त संचालक ने बताया कि कक्षा 10वीं में परीक्षा परिणाम रीवा जिले में 72 प्रतिशत, सतना में 64 प्रतिशत, सीधी जिले में 81 प्रतिशत तथा सिंगरौली जिले में 78 प्रतिशत रहा। कक्षा 12वीं में परीक्षा परिणाम रीवा जिले में 64, सतना में 76, सीधी में 84 तथा सिंगरौली में 83 प्रतिशत रहा। संभाग के सभी जिलों में परीक्षा परिणाम गत वर्ष की तुलना मंल बेहतर हैं।

12वीं में 64 प्रतिशत रहा जिले का परीक्षा परिणाम

रीवा के अंकुर और मंदाकिनी ने किया टॉप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश बोर्ड की कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम मंगलवार सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीएम हाउस में जारी किया। रीवा के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दो टॉप स्थान हासिल किए।

संयुक्त संचालक के मुताबिक रीवा जिले में इस बार 12वीं का परीक्षा परिणाम 64 प्रतिशत रहा। जबकि 10वीं का परीक्षा परिणाम 72 प्रतिशत रहा।

शासकीय मार्तंड क्रमांक 1 के छात्र अंकुर यादव ने कला संकाय में प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं ढेकहा स्थित उमा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा मंदाकिनी पांडेय ने विज्ञान गणित संकाय में पांचवां स्थान हासिल किया।

प्रतिदिन 6-7 घंटे पढ़ाई की- अंकुर यादव ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अध्ययन को दिया। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन 6-7 घंटे की नियमित पढ़ाई से यह सफलता मिली। क्लैट परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके अंकुर कानून के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं।

शिक्षक पिता प्रमोद यादव ने बताया कि अंकुर बचपन से ही पढ़ाई में रुचि रखता है। मंदाकिनी के पिता प्रकाश पांडेय निजी शिक्षक हैं। उन्होंने बताया कि सामान्य परिवार की आर्थिक चुनौतियों के बावजूद बेटी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

नई शिक्षा नीति का लाभ इस वर्ष से बोर्ड ने नई शिक्षा नीति-2020 के तहत परीक्षा में असफल विद्यार्थियों को जुलाई में दोबारा परीक्षा देने का अवसर दिया है। पहले केवल एक विषय में असफल विद्यार्थियों को 'रुक जाना नहीं' योजना के तहत स्टेट ओपन बोर्ड की पूरक परीक्षा का मौका मिलता था। नई व्यवस्था से विद्यार्थियों का वर्ष बर्बाद होने से बचेगा।

10वीं में चौथे और पांचवें स्थान पर रीवा का दबदबा, मऊगंज के आयुष को प्रदेश की मैरिट में दूसरा स्थान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार सुबह सीएम हाउस से एमपी बोर्ड 10वीं का रिजल्ट मंगलवार सुबह 10 बजे जारी कर दिया। मऊगंज के अमित पब्लिक स्कूल के आयुष द्विवेदी को 500 में से 499 अंक मिले हैं। उन्होंने प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया।

संयुक्त संचालक के मुताबिक रीवा जिले में इस बार 10वीं का परीक्षा परिणाम 72 प्रतिशत और 12वीं का परीक्षा परिणाम 64 प्रतिशत रहा।

इधर, रीवा के सेवियर पब्लिक स्कूल की छात्रा अंजली शर्मा को 497 अंक मिले, वह प्रदेश में चौथे स्थान पर रहीं। मॉडल स्कूल रीवा के छात्र अनिमेष वर्मा को 496 अंक मिले, उन्होंने पांचवां स्थान पाया।

बताया गया कि अनिमेष के पिता संतोष वर्मा किसान और मां प्रभा वर्मा हाउस वाइफ हैं। सामान्य परिवार से आने के बाद भी पढ़ने की लगन बहुत है।

मॉडल स्कूल के प्राचार्य महेश कुमार तिवारी ने बताया कि अनिमेष एक किसान परिवार से आते हैं। जिनके पिता खेती-किसानी का काम करते हैं। लेकिन आज अपनी मेहनत से स्कूल का नाम रोशन कर दिया गया है।

10वीं की परीक्षा में 4वीं रैंक हासिल करने वाली अंजली के पिता अरुण शर्मा पेशे से किसान हैं। जबकि मां पूजा शर्मा हाउस वाइफ हैं।मां पूजा शर्मा ने बताया कि अंजली 2 किलोमीटर तक पैदल चलकर स्कूल आती थी। पढ़ाई के लिए वो कभी समय नहीं देखती थी। 6 घंटे की नींद के अलावा हर समय वो पढ़ाई करती रहती थी। आगे चलकर वह आईएएस बनना चाहती है। जो आगे की तैयारी के लिए इंदौर चली गई है। हम सामान्य परिवार से ताल्लुक रखते हैं। हमें अपनी बेटी पर गर्व है। अंजली ने बताया कि मैं मेहनत के साथ पढ़ाई कर पाती थी, उसके पीछे मेरे पैरेंट्स का योगदान है। जो मुझे हमेशा मोटिवेट करते रहे हैं। मेरे टीचर्स मुझे एक दोस्त की तरह गाइड करते थे। यही कारण है कि मैं हमेशा एक पॉजिटिव माइंड सेट के साथ आगे बढ़ी।

एक इम्तिहान में नंबर कम आए, इसका मतलब यह नहीं कि भविष्य खत्म हो गया!

आज मध्य प्रदेश बोर्ड के 12वीं के नतीजे आए, सतना में एक छात्र ने नतीजों के बाद फांसी लगा ली, और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। यह खबर सिर्फ एक परिवार की नहीं, बल्कि हमारे पूरे समाज की सच्चाई को उजागर करती है। हमारा समाज, हमारी सोच, और हमारी उम्मीदें कभी-कभी इतना दबाव डाल देती हैं कि एक नौजवान जिंदगी को ही खत्म करने का फैसला ले लेता है। लेकिन क्या सचमुच एक परीक्षा का नतीजा आपकी पूरी जिंदगी की कीमत तय कर सकता है?

फेल और पास तो जिंदगी का हिस्सा हैं। एक इम्तिहान में नंबर कम आए, इसका मतलब यह नहीं कि तुम्हारी मेहनत, तुम्हारा जज्बा, या तुम्हारा भविष्य खत्म हो गया। तुमने अपने हिस्से की मेहनत की, रात-रात जागकर पढ़ाई की, सपनों को सच करने की कोशिश की। अगर नतीजा उम्मीद के मुताबिक

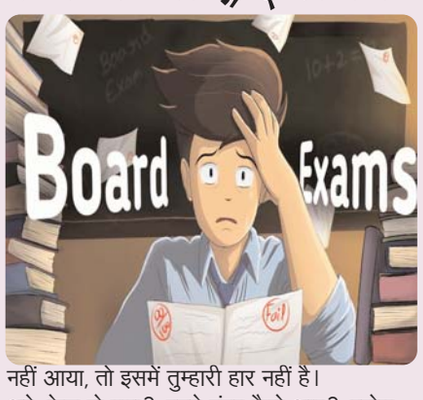

नहीं आया, तो इसमें तुम्हारी हार नहीं है।

अरे, फेल हो गया?, इतने नंबर कैसे आए?, पड़ोस का शर्मा जी का बेटा तो टॉपर है! ये ताने, ये बातें सुनकर दिल टूटता है, लेकिन सोचो, क्या ये समाज तुम्हारे लिए जिंदगी जी रहा है? क्या ये लोग तुम्हारे सपनों की कीमत समझते हैं? नहीं ना! तो फिर इनकी बातों को दिल पर क्यों लेना? समाज तो हमेशा कुछ न कुछ कहता रहेगा। तुम फेल हो, तो ताने मारेगा,पास हो, तो और ज्यादा उम्मीदें लाद देगा। इसलिए, समाज को खुश करने की बजाय, खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान दो।

तुम्हारे मां-बाप ने तुम्हें पालने में दिन-रात एक कर दिए। उनकी सबसे बड़ी ख्वाहिश है कि तुम खुश रहो, हिम्मत न हारो। वो तुम्हारे नंबरों से ज्यादा तुम्हारी हंसी, तुम्हारी कोशिश, और तुम्हारी जिंदादिली को देखना चाहते हैं। एक फेलर के बाद अगर तुम हार मान लोगे, तो उनका दिल कितना टूटेगा? उनके लिए, तुम्हारे लिए, और खुद के लिए, उठो, और फिर से शुरुआत करो।

एक इम्तिहान, एक नतीजा, तुम्हारी जिंदगी से बड़ा नहीं हो सकता। तुम्हारे पास पूरा जीवन पड़ा है,सपने देखने के लि.ए, मेहनत करने के लिए, और दुनिया को दिखाने के लिए कि तुम क्या कर सकते हो। आज का दिन मुश्किल है, लेकिन यह मुश्किल तुम्हें और मजबूत बनाएगी। अपने दोस्तों से बात करो, अपने परिवार से दिल की बात कहो, और अगर मन भारी हो, तो किसी से मदद मांगो। तुम अकेले नहीं हो।

तुमने जो मेहनत की, वो बेकार नहीं जाएगी। अगली बार, और बेहतर तैयारी के साथ, तुम वो मुकाम हासिल करोगे, जो तुम्हारा है, और मैं ये बात इसलिए कह रहा हूं क्योंकि मेरे चाचा के लड़के ने पिछले साल दसवीं में एक सब्जेक्ट में फेल हो गया था उसने मेहनत की और इस वर्ष उसने 72% अंकों साथ पास हुआ है। प्रिय बच्चों जिंदगी तुम्हारा इंतजार कर रही है, इसे गले लगाओ।

नवतनवा एक्सप्रेस में चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

2.85 लाख के जेवर और मोबाइल बरामद, सतना स्टेशन आउटर पर वारदात को दिया था अंजाम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सतना में नवतनवा एक्सप्रेस में हुई चोरी के मामले में जीआरपी ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 2.85 लाख रुपए के चोरी किए गए जेवरात बरामद हुए हैं।

यह मामला 5 और 6 अप्रैल का है। पहली शिकायत प्रयागराज निवासी हलीमउदीन की थी। उन्होंने बताया कि 6 अप्रैल को नवतनवा एक्सप्रेस के कोच एस की बर्थ नंबर 73 पर यात्रा के दौरान उनका वीवो मोबाइल और 80 हजार रुपए के सोने-चांदी के जेवरात चोरी हो गए।

दूसरी शिकायत प्रतापगढ़ निवासी संजय गुप्ता ने की। वे 5 अप्रैल को इसी ट्रेन के कोच एम की बर्थ नंबर 41 पर रायपुर जा रहे थे। सतना स्टेशन के आउटर एरिया में उनके 74 हजार रुपए के जेवरात चोरी हो गए।

साइबर टीम की मदद से पकड़ाया आरोपी: जीआरपी चौकी प्रभारी राजेश राज के अनुसार, मामले की जांच के लिए पुलिस और साइबर टीम की एक विशेष टीम बनाई गई। तकनीकी जांच और लोकेशन के आधार पर सतना के कृष्ण नगर निवासी 23 वर्षीय शेषमणि वर्मा को हिरासत में लिया गया।

दो आरोपी पकड़े गए: पूछताछ में शेषमणि ने बताया कि चोरी का मोबाइल टिकरिया टोला निवासी शिवम सोनी के पास है। शिवम को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसने दोनों घटनाओं में चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने दोनों से वीवो मोबाइल और जेवरात बरामद कर लिए हैं। मामले में आगे की कार्यवाही जारी है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।